दैनिक
# क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 03
अंकः-320
मुरादाबाद
12 March 2024
(Tuesday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## पीएम मोदी बोले- द्वारका एक्सप्रेसवे से बदलेगा लोगों का जीवन, दिल्ली-एनसीआर की राह होगी आसान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुरुग्राम में देश भर में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की 112 बड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कियाप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में जिस गति से विकास हो रहा है उससे कांग्रेस और इंडिया गठबंधन डरे हुए हैं। जब मैं विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन करता हूं, तो वे इसे चुनावी रणनीति कहते हैं। नकारात्मकता और केवल नकारात्मकता ही कांग्रेस की असली विशेषता है।पीएम मोदी ने कहा कि देश में हो रहे लाखों करोड़ रुपये के इन विकास कार्यों से सबसे ज्यादा दिक्कत सिर्फ कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन को है। उनकी नींद हराम हो गई है। इसलिए वो लोग कह रहे हैं कि मोदी चुनाव के कारण लाखों करोड़ रुपये के काम कर रहा है। 10 वर्षों में देश इतना बदल गया, लेकिन कांग्रेस और उसके दोस्तों का चश्मा नहीं बदला। इनके चश्में का नंबर आज भी वही है।

पीएम मोदी ने कहा कि देश में तेजी से हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण का काम, भारत को उतनी ही तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत भी बनाएगा।पीएम मोदी ने कहा कि मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में विकसित हरियाणा लगातार विकसित भारत के निर्माण के सपने को साकार करने में मदद कर रहा है। 21वीं सदी का भारत बड़ी सोच वाला भारत है। 21वीं सदी का भारत बड़े लक्ष्यों का भारत है। आज का भारत प्रगति की गति से समझौता नहीं कर सकता।पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी मुझे अच्छी तरह से जानते और समझते हैं। मैं छोटा नहीं सोच सकता, न ही मैं छोटे सपने देखता हूं, न ही मैं छोटे संकल्प लेता हूं। मैं जो भी चाहता हूं,

वह बड़ा चाहता हूं। मुझे जो चाहिए विराट चाहिए, विशाल चाहिए और तेज गति से चाहिए, क्योंकि 2047 में मुझे देश को विकसित भारतके रूप में देखना है। आपके बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए जी-जान से जुटे रहना है।पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े विजन का भारत है। ये बड़े लक्ष्यों का भारत है। आज का भारत प्रगति की रफ्तार से कोई समझौता नहीं कर सकता।पीएम मोदी ने कहा कि आज जहां द्वारका एक्सप्रेस-वे का निर्माण हुआ है, एक समय था, जब शाम ढलने के बाद लोग इधर आने से बचते थे। टैक्सी ड्राइवर भी मना कर देते थे कि इधर नहीं आना है। इस पूरे इलाके को असुरक्षित समझा जाता था। लेकिन आज कई बड़ी कंपनियां यहां आकर अपने प्रोजेक्ट लगा रही हैं। ये इलाका ह्लक्रके सबसे तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में शामिल हो रहा हैपीएम मोदी ने कहा कि आज यहां देशभर के लिए 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की 100 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण या शिलान्यास हो रहा है...सभी राज्यों के करोड़ों नागरिकों को इतनी सारी विकास परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने कहा कि 2024 के अभी तीन महीने भी पूरे नहीं हुए हैं, और इतने कम समय में 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो चुका है। ये सिर्फ वो प्रोजेक्ट्स हैं, जिसमें मैं खुद शामिल हुआ हूं। इसके अलावा मेरे मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने भी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है।पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि आज मुझे द्वारका एक्सप्रेस-वे देश को समर्पित करने का अवसर मिला है। इस प्रोजेक्ट पर 9,000 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। आज से दिल्ली और हरियाणा के बीच परिवहन का अनुभव हमेशा के लिए बदल जाएगा।

ये आधुनिक एक्सप्रेसवे न सिर्फ गाड़ियों में, बल्कि दिल्ली NCR के लोगों की जिंदगी में भी गियर शिफ्ट करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें छोटी सी कोई योजना बनाकर, छोटा सा कोई कार्यक्रम करके उसकी डुगडुगी पांच साल तक पीटते रहते थे। वहीं भाजपा सरकार जिस रफ्तार से काम कर रही है, उसमें शिलान्यास और लोकार्पण के लिए समय और दिन कम पड़ रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे समेत 144 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### नए कानून के तहत न हो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर की गई मांग

कांग्रेस नेता जया ठाकुर की तरफ से यह याचिका अरुण गोयल के चुनाव आयुक्त पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद डाली गई है। चुनाव आयोग में फिलहाल आयुक्तों के तीन पदों में से दो पद खाली हैं।निर्वाचन आयोग में रिक्त पड़े चुनाव आयुक्त दो पदों को भरने के लिए जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बैठक होने वाली है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में इसे लेकर एक याचिका दाखिल की गई है। इसमें मांग की गई है कि केंद्र सरकार नए कानून चुनाव आयुक्त ( सेवा की शर्तें और व्यवसाय का संचालन ) अधिनियम, 2023 के तहत चुनाव आयुक्त की नियुक्ति न होने दे।कांग्रेस नेता जया ठाकुर की तरफ से यह याचिका अरुण गोयल के चुनाव आयुक्त पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद डाली गई है। चुनाव आयोग में फिलहाल आयुक्तों के तीन पदों में से दो पद खाली हैं। सिर्फ मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ही निर्वाचन आयोग में इकलौती सदस्य रह गए हैं। इससे पहले अनूप पांडे फरवरी में चुनाव आयुक्त पद से रिटायर हुए।याचिका में क्या है मांग? जया ठाकुर ने अपने आवेदन में कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका लंबित है। इस पर 12 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नोटिस जारी किया गया था। एक सदस्य अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया।

## अखिलेश यादव बोले- इलेक्शन बॉन्ड खरीदने वालों की सूची सार्वजनिक की जाए

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जनता को भी बताया जाना चाहिए कि इलेक्शन बॉन्ड किन लोगों ने खरीदे हैं। उन लोगों के नाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्शन बॉन्ड को लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को फटकार लगाई है और खरीदारों की सूची मंगलवार को सौंपने का आदेश दिया है। इस पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जवाब दिया है कि बॉन्ड खरीदने वालों की सूची जनता को पता चल पाएगी या नहीं ये बड़ा सवाल है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि हमें तो कम चंदा मिला... ज्यादा मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक चंदा भाजपा को मिला और भाजपा को पता है कि किन लोगों ने बॉन्ड खरीदे अब जनता को पता चलना चाहिए। अखिलेश यादव सोमवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे।अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कहा कि सपा ने सबसे पहले गठबंधन किया। सबसे पहले प्रत्याशियों की सूची जारी की है। सबसे पहले प्रचार अभियान शुरू किया है और अब जीत की सूचना भी सबसे पहले सपा प्रत्याशियों की ही आएगी।उन्होंने कहा कि भाजपा का सबका साथ सबका विकास का नारा झूठा है। यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का है। लोकसभा चुनाव में एक तरफ जनता है और दूसरी तरफ कुछ भाजपाई हैं। उन्होंने भाजपा के नारे अबकी बार 400 पार पर कहा कि आप लोग ठीक तरह से सुनते नहीं हैं। वो कहते हैं कि अबकी बार 400 पर हार है।

## विधान परिषद चुनाव : एनडीए के 10 और सपा के तीन प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन, अपना दल को एक सीट

यूपी में 13 सीटों के लिए हो रहे विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा गठबंधन के 10 और सपा के तीन प्रत्याशी नामांकन दाखिल करेंगे। भाजपा गठबंधन के प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नामांकन दाखिल किया। विधान परिषद चुनाव में सोमवार को नामांकन का आखिरी दिन है। भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नामांकन दाखिल करने पहुंचे हैं। यूपी में विधान परिषद की 13 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नामांकन दाखिल करने पहुंचे।

एनडीए के सहयोगी दल सुभासपा ने प्रदेश अध्यक्ष पूर्वांचल विच्छेलाल राजभर को उम्मीदवार बनाया है। सपा की ओर से तीन प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। सपा ने बलराम यादव, गुड्डू जमाली और किरण पाल कश्यप को उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में विधान परिषद चुनाव होना तय हो गया है।भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र सिंह, विजय बहादुर पाठक, अशोक कटारिया, रामतीरथ सिंघल, संतोष सिंह, धर्मेंद्र सिंह और मोहित बेनीवाल ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया। अपना दल एस से आशीष पटेल, रालोद से योगेश चौधरी और सुभासपा से विच्छेलाल राजभर ने नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

## यूपी को 3666 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगाम, सीएम योगी बोले- लखनऊ सहित पूरे प्रदेश की बदलेगी तस्वीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से लखनऊ सहित यूपी के लिए 3666 करोड़ रुपये की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि इससे लखनऊ व प्रदेश की तस्वीर बदल जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी सहित विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास लखनऊ सहित पूरे प्रदेश की तस्वीर बदल देगा। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ देश के रक्षा तंत्र को मजबूत करेगा बल्कि युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से 3,666 करोड़ की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित यूपी कैबिनेट के कई मंत्री मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि रिंग रोड बनने से लखनऊ में जाम की समस्या खत्म होगी। कानपुर से आने वालों को अयोध्या जाने के लिए लखनऊ के अंदर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी तरह पूरे प्रदेश के लोगों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे चौड़ी सड़क भाजपा सरकार ने बनाई। उन्होंने कहा कि लखनऊ में विकास कार्य की झड़ी लगी है। रक्षामंत्री ने पहले शहीद पथ बनवाया और अब रिंग रोड बनवा दिया है।

## राजस्थान के सीएम भजनलाल ने अपनी कैबिनेट के साथ रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को अपनी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन किए।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सोमवार को अपनी कैबिनेट के साथ

अयोध्या पहुंचे और रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।मुख्यमंत्री

अपनी कैबिनेट के साथ सोमवार सुबह महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचे। पहली फ्लाइट में मंत्री, विधायक व अधिकारी पहुंचे। दूसरी फ्लाइट से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा आए।

## होली के पहले राज्य कर्मचारियों को बड़ा तोहफा, 4 फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ा, 35 लाख को होगा फायदा

योगी सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों, शिक्षकों व पेंशनरों को होली से पहले बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने महंगाई भत्ता चार फीसदी बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।राज्य सरकार के करीब 35 लाख कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनरों को चार फीसदी बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता मिलेगा। राज्य सरकार ने इस पर सहमति दे दी है। अप्रैल या मई के वेतन में बढ़ा हुआ डीए दिया जाएगा। बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एक जनवरी 2014 से मिलेगा। इस वृद्धि से सरकार के खजाने पर करीब 350 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस संबंध में जल्द ही आदेश जारी किया जाएगा।होली से पहले राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते चार फीसदी महंगाई भत्ता देने का एलान किया था। इसी के बाद से ही माना जा रहा था कि राज्य सरकार भी जल्द इस दिशा में फैसला ले सकती है।शनिवार को ही राज्य कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी। चार फीसदी की वृद्धि से महंगाई भत्ता 50 फीसदी हो जाएगा। इसका लाभ करीब 11.5 लाख कर्मचारियों, 8 लाख शिक्षकों और 15.5 लाख पेंशनरों को मिलेगा।महंगाई भत्ता अप्रैल में आने वाले मार्च के वेतन या मई में आने वाले अप्रैल के वेतन के साथ जोड़कर दिया जाएगा। चुनाव को देखते हुए माना जा रहा है कि मार्च के वेतन में ही चार फीसदी महंगाई भत्ता जोड़कर दिया जाएगा।

# संपादकीय Editorial

## Doctors from strike to ragging

Either the map was bigger here, or we did not read it. Those who have become doctors in Himachal are on strike and those who are becoming so, their streets are full of mud. Start with the doctors' strike or read the lesson on ragging on the black board of Nahan Medical College. In both circumstances, these examples are uncomfortable from a qualitative point of view. The Medical College of Nahan produced such trainee doctors who stole the subject of ragging from the serious curriculum. What happened practically with the junior doctors may have led to immediate action being taken against the nine trainee doctors, but the question is that even after the Kachru incident, we were not able to protect the educational institutions from such absurdities. To understand its reasons, the investigation gets stuck only on the events, whereas attention should be given to those decisions which do not understand the difference between institutions and political platforms based on power. Both the construction and existence of Nahan Medical College are stuck in the narrow streets of the city. Where perhaps even a good hospital would shy away from expanding its footprint, the walls of the medical college are fighting with its own existence. Why should it not be considered an accident of political thinking that now institutions are being ruined as a result of regionalism? The state is now neither dynamic nor progressive as a whole, rather such institutions are being made pastureland. Here, the Indian Institute of Hotel Management is not established at any tourist destination, whereas the Agricultural University is established somewhere away from agricultural producing areas. Similarly, when the doors opened for private universities, half a dozen opened in the same panchayat area. We had set out to make Solan an education hub, but political priorities ruined the education system. As a result many shutters are on the verge of closure. If this conflict regarding the campus and introduction of the Central University started during the period of Dhumal government, then it remained in question even till the coming of Sukhu government. By entangling education in the web of political competition, we have rendered the real career of the students unclaimed. Now in the race to make every college postgraduate, the achievements will be like ragging.

The surprising thing is that when the land of a college like Thural in Kangra gets encroached by flood, then the entire college of Mataur conducts classes on the road. If we do not have institutions to explore careers in education, the uncertainty of these campuses will only desensitize students. Earlier in Himachal, apart from the private universities, one and a half dozen engineering colleges had turned away from the students, so now where will the medical colleges producing around eight hundred doctors every year go? If we evaluate the competition for survival and progress in Nahan Medical College, then the index of Himachal will be understood and if we look at the profession of doctors in the atmosphere of conflict prevailing in hospitals, then the issues of instability will be understood. In both the circumstances, the qualitative aspects of the state's picture are missing, so amidst the insensitivity, neither the government's side nor the role of civil society is visible. During this time a different kind of mercantilism is spreading. That is, private hospitals are snatching away the credibility of government doctors as their alternative, so this situation is creating imbalance. Despite this, there is a continuous increase in OPD numbers in government hospitals and public preference towards the basic principles of medicine is visible. It is clearly visible from the doctors' strike, what level of sensitivity is expected from them.

# India's first general election was held under extremely difficult circumstances.

Given the country's vast size, diverse population and complex socio-political landscape, conducting the first general elections in India in 1951–52 was indeed a very important task. At that time, due to severe lack of roads, setting up polling stations in remote rural areas, delivering election material and ensuring security was a difficult task. In this era of extreme science and technology, the elections were conducted by a three-member Election Commission equipped with extensive powers and resources. Due to many shortcomings in the elections, a lot of improvements still need to be made for fair and free elections. But imagine how a single-member Election Commission, despite lack of resources and experience, would have conducted the first general elections of the world's largest democratic republic in 1951-52. This was truly the biggest event in the democratic history of the world. An important milestone in democratic history – Given the country's vast size, diverse population and complex socio-political landscape, holding the first general elections in India in 1951–52 was indeed a very important task. At that time, setting up polling stations, delivering election materials and ensuring security in remote rural areas was a difficult task due to severe lack of roads. Most Indians were illiterate and unfamiliar with the concept of voting. Extensive voter education campaigns were necessary to explain the voting process and the importance of democratic participation. The infrastructure of newly independent India was underdeveloped in 1951-52. Limited transportation, communication and administrative facilities naturally posed significant challenges in conducting nationwide elections. India's diverse population included people from different linguistic, cultural and religious backgrounds. Ensuring fair representation and managing potential conflicts required careful planning and implementation. Despite these challenges, the Election Commission of India, under the leadership of Chief Election Commissioner Sukumar Sen, successfully conducted the elections. It was the world's largest democratic exercise at that time, with more than 17.3 crore people participating. This election is widely considered an important milestone in the democratic history of India. The first general elections were held in four phases - Sukumar Sen, the first Chief Election Commissioner of the Election Commission of India, formed on 25 January 1950 under Article 324 of the Constitution, was appointed on 21 March 1950. He faced the daunting challenge of conducting free and fair elections in the world's largest and most diverse country. Despite these challenges, the Commission successfully conducted the first general elections in 1951–52. Even at that time, India was the second country in the world after China in terms of population. Therefore, India was the largest democratic country in the world in terms of population. Amidst the toughest challenges, the Election Commission announced general elections for the Lok Sabha and three types of assemblies on 15 October 1951 in four phases. The first phase of elections was held on 25 October 1951, the second on 31 October, the third on 6 November and the fourth phase on 15 November 1951. The results of the elections were declared on 21 February 1952. In this way the entire election process was completed in March 1952. About 17.3 crore voters (44.99 percent) participated in it. The Indian National Congress won the election by a huge margin. At that time, elections were held on 489 out of 496 Lok Sabha seats, out of which Nehru-led Indian National Congress got 384 seats, Ajay Ghosh-led Communist Party of India got 16 seats and Jayaprakash Narayan's Socialist Party got 12 seats. First Radio Broadcast - Sukumar Sen, the first Election Commissioner of India, addressed the nation on All India Radio about the first elections on 21 March 1951. In this address, along with appealing to the Indians to participate freely and fearlessly in the election process, he also enumerated the very difficult challenges before the Commission. Among these challenges, along with lack of resources, the complexity of delimitation was also mentioned earlier. Because at that time elections were to be held for three types of assemblies along with the Lok Sabha and in the Lok Sabha too, seats were not reserved separately for Scheduled Castes and Tribes, instead there was a system of double voting in the same constituencies on the basis of the population of these castes. There were 496 seats in the Lok Sabha. At that time, the Constitution had a maximum of 500 seats for the Lok Sabha and at that time, 496 seats were fixed. According to the Constitution, members of Jammu and Kashmir and Andaman and Nicobar were to be nominated by the President and for the rest of India, MPs were to be elected by adult voting. At that time, 204 seats of Rajya Sabha were fixed which were to be filled from all three types of states. For Rajya Sabha, 12 members from the fields of literature, science, art and social service were to be nominated by the President. Of the 204 members, 190 were to be elected from the states by proportional representation (except Jammu and Kashmir) and 10 members were to be elected from Part-C states by adult franchise. Four members were to be nominated by the President from Jammu and Kashmir. There were 28 three types of states. At the time of the first general elections, there were 28 three types of states in the country. These 9 states of Part-A include Assam, Bihar, Bombay, Madhya Pradesh (erstwhile Central Provinces), Uttar Pradesh (erstwhile United Province), West Bengal.La, Madras, Orissa and Punjab were included. Even during the British era, these states used to be entire provinces under the Governor. 8 states of Part-B category - Similarly, the number of Part-B states was 8, which included Hyderabad, Jammu and Kashmir, Madhya Pradesh, Mysore, Patiala and East Punjab. States Union (PEPSU), Rajasthan, Saurashtra and Travancore-Cochin. These were all princely states in which the head of state, cabinet and MLAs were to be formed after the elections. Of these Part-B states, Hyderabad, Jammu and Kashmir, PEPSU and Rajasthan had no legislature. Apart from the special situation of Jammu and Kashmir, in the rest the democratic process was to start after the elections. Part-C states including Delhi - 11 Part-C states were directly administered by the Government of India. These were called Part-C states instead of Union Territories. These included Ajmer, Bhopal, Bilaspur, Coorg, Delhi, Himachal Pradesh, Kutch or Kutch, Manipur, Tripura, Vindhya Pradesh and Andaman and Nicobar Islands. Only 7 states had Legislative Councils - along with the Lok Sabha, different types of Conducting elections was also a complex challenge. At that time 7 states had bicameral legislatures. Along with the Assembly, elections for Legislative Councils were also to be held. Such states included the states of Bihar, Bombay, Madras, Punjab, Uttar Pradesh, West Bengal and Mysore. These included 72 seats in the Legislative Councils of Bihar, Bombay, Madras, and Uttar Pradesh, 51 seats in the Legislative Council of West Bengal and 40 seats in the Legislative Councils of Punjab and Mysore. The elections for these councils were to be partly through election and nomination. Unequal ratio of MPs to MLAs – Earlier in the delimitation of general elections, a constituency of Lok Sabha was fixed at a maximum population of 7.50 lakh and minimum of 5 lakh. But this standard of population was not applicable to Part-C states. Because these states were small and less populated. At that time, there were 430 seats in the Uttar Pradesh Legislative Assembly and 86 seats in the Lok Sabha. Similarly, 375 seats in the Madras Assembly and 75 seats in the Lok Sabha were fixed. The delimitation at that time was also not uniform. In Uttar Pradesh, one Lok Sabha member was fixed at five times the number of MLAs. Whereas there was one MP for every 6 MLAs of Bihar. In the states of Bombay, Orissa, Punjab, West Bengal and Hyderabad, there was one MP for every 7 MLAs and in Madhya Pradesh, Rajasthan, there was one MP for every 8 MLAs. Similarly, in Assam, Mysore, Travancore, Kochi, one MP was fixed for every 9 MLAs, in Saurashtra, one MP was fixed for every 10 MLAs and in Peppasu, one MP was fixed for every 12 MLAs. Selection of two MPs on some seats - Initially, with the simultaneous elections of the State Assemblies and the Lok Sabha, at that time the reserved seats for Scheduled Castes and Tribes were not separate, but the reservation system along with the general seats was for 10 years. . In this way, in some seats in Part A and B category states, along with general category candidates, reserved candidates were also in the fray and voters had to elect two MPs on the same seat. But this system was not there in Part C states.

8 states of Part-B category - Similarly, the number of Part-B states was 8, which included Hyderabad, Jammu and Kashmir, Madhya Pradesh, Mysore, Patiala and East Punjab. States Union (PEPSU), Rajasthan, Saurashtra and Travancore-Cochin. These were all princely states in which the head of state, cabinet and MLAs were to be formed after the elections. Of these Part-B states, Hyderabad, Jammu and Kashmir, PEPSU and Rajasthan had no legislature. Apart from the special situation of Jammu and Kashmir, in the rest the democratic process was to start after the elections. Part-C states including Delhi - 11 Part-C states were directly administered by the Government of India. These were called Part-C states instead of Union Territories. These included Ajmer, Bhopal, Bilaspur, Coorg, Delhi, Himachal Pradesh, Kutch or Kutch, Manipur, Tripura, Vindhya Pradesh and Andaman and Nicobar Islands. Only 7 states had Legislative Councils - along with the Lok Sabha, different types of Conducting elections was also a complex challenge. At that time 7 states had bicameral legislatures. Along with the Assembly, elections for Legislative Councils were also to be held. Such states included the states of Bihar, Bombay, Madras, Punjab, Uttar Pradesh, West Bengal and Mysore. These included 72 seats in the Legislative Councils of Bihar, Bombay, Madras, and Uttar Pradesh, 51 seats in the Legislative Council of West Bengal and 40 seats in the Legislative Councils of Punjab and Mysore. The elections for these councils were to be partly through election and nomination. Unequal ratio of MPs to MLAs – Earlier in the delimitation of general elections, a constituency of Lok Sabha was fixed at a maximum population of 7.50 lakh and minimum of 5 lakh. But this standard of population was not applicable to Part-C states. Because these states were small and less populated. At that time, there were 430 seats in the Uttar Pradesh Legislative Assembly and 86 seats in the Lok Sabha. Similarly, 375 seats in the Madras Assembly and 75 seats in the Lok Sabha were fixed. The delimitation at that time was also not uniform. In Uttar Pradesh, one Lok Sabha member was fixed at five times the number of MLAs. Whereas there was one MP for every 6 MLAs of Bihar. In the states of Bombay, Orissa.

## रमज़ान के महीने में व्यवस्थाओं के लेकर AIMIM ने अपर नगर मजिस्ट्रेट को दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच
यूसुफ

मुरादाबाद, आज दिनांक 11/3/2024 को एआइएमआइएम जिला अध्यक्ष मुरादाबाद मोहिद फरगानी एडवोकेट के नेतृत्व मे जिला व महानगर इकाई द्वारा आने वाले रमजान उल मुबारक के पाक महीने, और होली व ईद उल फितर के पर्व के मद्दे नज़र सुरक्षा, कानून एवं सफाई व्यवस्था बेहतर करने हेतु अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रीति सिंह जी द्वारा मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया

महानगर अध्यक्ष वकी रशीद एडवोकेट ने कहा, की रमज़ान के महीने में कुछ असामाजिक तत्व इफ़्तार के वक़्त शहर का मौहोल ख़राब करने की कोशिश करते हैं, प्रशासन से अपील है कि उन लोगो पर कड़ी नज़र रखी जाए और कोई भी असामाजिक घटना होती है तो तुरंत उन पर कार्यवाही की जाए, असामाजिक तत्वों को सलाखों के पीछे डाला जाए इस मौके पर प्रदेश सचिव ज़की राईनी, पश्चिम प्रदेश सचिव आमिल एडवोकेट, प्रदेश महासचिव एहतेशाम मंसूरी, ज़िला महासचिव फहीम बेग, महानगर उपाध्यक्ष वाहजुद्दीन, अरशद सैफ़ी, ज़ुल्फ़िक़ार ठेकेदार, फिरोज़ इंजीनियर, अतीकुल, तालिब मलिक, शराफ़त हुसैन आदि लोग मौजूद रहे।

## पीड़ित का आरोप ग्राम प्रधान और लेखपाल जान से मारने की दे रहा धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच
अजहर अली

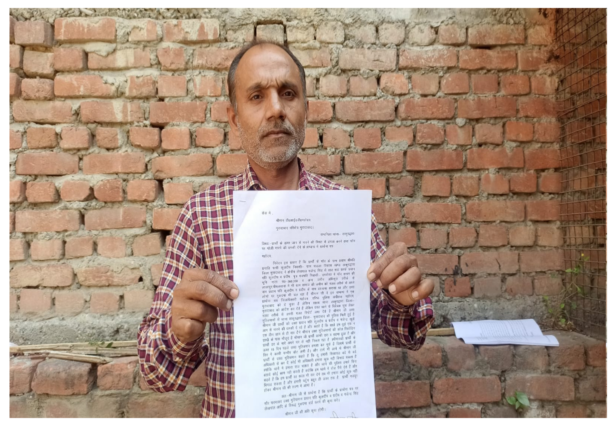

मुरादाबाद - मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित ने डीआईजी कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। तहसील ठाकुरद्वारा के गांव पाडला के रहने वाले सुशील त्यागी ने डीआईजी कार्यालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसके गाँव के ग्राम प्रधान ने क्षेत्रीय लेखपाल से साठ गाठ करके प्रधान पति कुलदीप व प्रदीप पुत्र गजपति निवासी पाडला ने ग्राम समाज की जमीन को गलत तरीके से अपने नाम प्रधान पति कुलदीप व प्रदीप के नाम बयनामा कराया था और उक्त लोगो पर मुकदमा भी चल रहा है,इस सम्बन्ध में एक प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद को भी दिया जा चुका है,उनके द्वारा थाना ठाकुरद्वारा को आदेश कर दिया गया,

लेकिन उक्त थाने के विवेचक ने गलत तरीके से अपनी गलत रिपोर्ट लगा दी गयी,पीड़ित सुशील त्यागी के द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है जमीनी रंजिश और अधिकारियों से शिकायत किये जाने की रंजिश के चलते प्रधान पति कुलदीप व प्रदीप व गजेन्द्र खुले आम जान से मारने की धमकी दे रहे है, और एक माह पूर्व पीड़ित के साथ मारपीट भी की गई, पीड़ित ने थाने में भी शिकायत की मगर पुलिस ने कोई भी कार्यवाही नहीं की।पीड़ित सुशील त्यागी ने अब डीआईजी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

## जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष में जमकर चली लाठियां दो घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
अजहर अली

मुरादाबाद थाना पाकबड़ा क्षेत्र के गांव सब्जी उमरीपुर निवासी अली बारिस का पड़ोस के ही नदीम ,नईम , आरिफ ,और नाजिम से घर के बराबर में खाली पड़ी

जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। बताया जा रहा है बीती कल रात जब अली वारिस परिवार के साथ घर में बैठा हुआ है तभी चारो लोगों ने घर में घुसकर लाठियों से वार करना शुरू कर दिया। जिसमें अली वारिस उसका भाई अली शेर घायल हो गया। हमले में अली वारिस को काफी चोटे आई बताई जाती हैं। पाकबड़ा पुलिस ने घायल अली वारिस को इलाज व मेडिकल के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराते हुए कुछ हमलावरों को हिरासत में ले लिया है।

## पुष्पा गार्डन में संपन्न हुई छात्र-छात्राओं की दौड़ प्रतियोगिता

क्यूँ न लिखूँ सच
पवन कुमार

कोंच( जालौन ) आज नगर के स्वामी विवेका नंद वर्षाटाइल स्कूल के छात्र-छात्राओं की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन नगर में नवनिर्मित पुष्पा गार्डन में संपन्न हुई जिस में अतिथियों के रूप में नगर पालिका परिषद के सभासद रघुवीर कुशवाहा माधव यादव महेंद्र कुशवाहा, शादाब उर्फ मुन्ना सभासद, पूर्व सभासद छोटू टाइगर, पुष्पा गार्डन के मालिक विनोद गोस्वामी, पत्रकार संजय गोस्वामी इकरार भीमू मिहौलिया, अनुपम द्विवेदी आदि लोग मंचासीन रहे सर्व प्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर तिलक लगाया एवं पुष्प चढ़ाएइसके पश्चात प्रतियोगिता की शुरुआत हुई दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राएं नमनचौरसिया,यासिर श्रेया राठौर,अरहान, जुनैद, नैतिक सोनाली देवोमय,सक्षम, अमसिक द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र गौरी, सोम, आसमीन, इरशाद अंकिता,बुशरा, अंशू, श्रृष्टि,कृष्णा,प्रियांशू तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राएं लव, इसरार, प्रिया राठौर अभी, रिया इजा सुरभि, मयंक एवं सक्षम आदि रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य जीतू पाटकार ने किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिवार से विद्यालय के प्राचार्य जीतू पाटकार, आकाश राठौर, दिव्यांशू, अरस्तु सर,राघवेंद्र, सोहिल पायल गौतम, पारुल, मोहिनी राजपूत ,प्रिंसी राठौर, डोली चौरसिया, रिंकी कुशवाहा आदि विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा

## मिलेट्स रेसीपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता/प्रतिस्पर्धात्मक कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

मुरादाबाद -उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषि विभाग मुरादाबाद द्वारा मिलेट्स रेसीपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता/प्रतिस्पर्धात्मक कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह, की अध्यक्षता में मुशायरा ग्राऊंड, कलेक्टेऊट मुरादाबाद में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मिलेट्स रेसीपी उपभोक्ता जागरूकता एवं विकास प्रतियोगिता एवं हेतु श्री अन्न उत्पादों के समुचित उपभोग एवं लाभ के विषय में श्रीअन्न के व्यंजनों को जनसामान्य के दैनिक आहार में सम्मिलित कराये जाने तथा उसके व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।उक्त कार्यक्रम में डा0 शैफाली सिंह, मा0 जिला पंचायत अध्यक्षा, श्री गोपाल अंजान, मा0 सदय विधान परिशद, श्री सुमित यादव, मुख्य विकास अधिकारी, श्री ओमेन्द्रपाल सिंह, संयुक्त कृषि निदेशक, श्री सत्यम मिश्रा, अपर जिलाधिकारी ( वि0/रा0 ), श्री गुलाब चन्द, अपर जिलाधिकारी ( प्रशासन ), श्री राजवंश श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन विभाग, श्रीमती प्रीति सिंह उप जिलाधिकारी, श्री संतोश कुमार द्विवेदी उप कृषि निदेशक एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण द्वारा विभिन्न पर्यटन विभाग/होटल एवं रेस्टोरेन्ट एसोसिएशन, एफ0पी0ओ0, स्कूल कॉलेज की छात्राओं तथा महिला समूह द्वारा स्टॉलों पर श्री अन्न से तैयार किये गये पकवानों/उत्पादों का अवलोकन/निरीक्षण किया गया। श्री संतोष कुमार द्विवेदी उप कृषि निदेशक द्वारा आगन्तुक सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का स्वागत किया गया तथा मिलेट्स की उपयोगिता के विषय में विस्तार से अवगत कराया गया। श्री अन्न के विभिन्न व्यंजनों का मूल्यांकन श्री ओमेन्द्रपाल सिंह, संयुक्त कृषि निदेशक, मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद, श्री राजवंश श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, श्रीमती प्रीति सिंह, उप जिलाधिकारी की त्रिस्तरीय समिती द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में पर्यटन विभाग/होटल एवं रेस्टोरेन्ट के मध्य आयोजित प्रतियोगिता में विलेज ऑफ हॉडी रेस्टोरेन्ट को प्रथम पुरस्कार, होटल क्लार्क इन को द्वितीय पुरस्कार एवं ड्राईव इन 24 तृतीय पुरस्कार तथा शेष होटल/रेस्टोरेन्ट को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इसी प्रकार स्कूल कॉलेज की छात्राओं एवं महिला समूहो को पुरस्कार वितरण किया गया। जनपद में श्रीअन्न पर कार्य कर रहे फैमिली फार्मर मुरादाबाद एफपीओ को श्रीअन्न पर बने व्यंजनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रथम पुरस्कार किया गया। सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की धनराशि क्रमशः रू0 2500, रू0 2000 एवं रू0 1500 तथा सांत्वना पुरस्कार की धनराशि रू0 1000 उनके बैंक खाते में स्थानान्तरित की जायेगी। उक्त कार्यक्रम में कु0 ऋतुषा तिवारी जिला कृषि अधिकारी, श्री राजकुमार सहायक निदेशक( मृदा परी0/कल्चर ), एवं श्री हर्षित कुमार चैहान उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी डा0 नेहा सिंह, के0वी0के0 बिलारी एवं डा0 हसन तनवीर कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0 ठाकुरद्वारा उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन श्री चन्द्रहास कुमार द्वारा किया गया।

## शामली रोड पर रख रखे सामान को दुकान के अंदर रखने के लिए दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली रोड पर कर रखे अतिक्रमण को दुकान के अंदर सामान रखने के लिए दुकानदारों को दिए निर्देश एसपी अभिषेक के आदेशानुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सभी दुकानदारों को रोड पर कर रखे अतिक्रमण को हटाने के लिए सभी दुकानदारों को निर्देश दिए गए टायर मार्केट में दिल्ली रोड पर दुकानदारों ने रोड पर काफी अतिक्रमण कर रखा है जिसके कारण रोड आगे से ज्यादा दुकानदारों ने घेर रखा है इसी प्रकार टायर मार्केट में भी दुकानदारों ने आदि से ज्यादा दुकान रोड पर गिर रखी है पुलिस प्रशासन द्वारा सभी दुकानदारों को यह आदेश दिया गया है कि कृपया अपना सामान दुकान के अंदर रखें यदि में ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी

## माहे रमजान को लेकर तंजीम गुलामाने मुस्तफ़ा ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच
पवन कुमार

कोंच( जालौन ) मुकद्दस माहे रमजानुल मुबारक कल 12 मार्च मंगलवार से शुरू हो रहा जो कि 10 अप्रैल तक चलेगा नगर की 20 मस्जिदों के अलाबा कई जगहों पर नमाज़े तरा बीह व इफ्तार का एहत माम किया गया है इसी को लेकर एक 4 सूत्रीय ज्ञापन राज्यपाल/ मुख्यमंत्री के नाम से तहसीलदार बीरेंद्र कुमार गुप्ता को तंजीम गुलामाने मुस्तफ़ा सोसायटी की जानिब से सौंपा गया। जिसमें मांग की गई बिधुत आपूर्ति 24 घण्टे दी जाए। विशेष कर सेहरी के वक्त सुबह 4 बजे से 6 बजे तक व इफ्तार के शाम 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक विधुत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस समय विल्कुल कटौती न की जाए व पानी आपूर्ति की सप्लाई भी इसी समय की जाए। मस्जिदों , मदरसों के आसपास साफ सफाई चूना आदि की व्यवस्था एवं प्रति बंधित जानबरों पर रोक व अलबिदा की छुट्टी जो कि वतर्मान में निरस्त है उसे पुनः बहाल किया जाए।इस मौके पर ज्ञापन देने बालो में तंजीम के सदर हाफिज अताउल्ला खां ग़ौरी एनुल आरफीन एडवोकेट शमसुद्दीन मंसूरी सभासद अशफ़ाक़ ग़ौरी, हाजी सेठ नासिर , मोहम्मद शरीफ बरकाती सईद अहमद खन्ना सैफ उल्ला खान बटी अला मुहम्मद राईन आदि लोग मौजूद रहे

## आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में आगामी लोकसभा चुनाव- 2024 की तैयारियों के संबंध में बैठक आहूत हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्वाचन आयोग से जारी निर्देशों का गहनता से अध्ययन करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही स्टेट एवरेज से कम वोटिंग प्रतिशत वाले बूथों पर निष्पक्षत/ सक्रिय पृष्ठ प्रहरियों को लगाने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्यो से संबंधित नोडल/प्रभारी अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों को चुनाव की तैयारी के संबंध में सभी कार्य ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में लगे सभी अधिकारी आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल, निर्भीग्न एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराने में अपना पूर्ण योगदान दें। बैठक में मतदान स्थलों की वल्नरेबिलटी एकल खिड़की एवं सि-विजिल, स्टेशनरी किट, मत पत्र की तैयारी, प्रिन्टिंग तथा मतपत्रों का वितरण, एफएसटी, एसएसटी आदि टीमों की तैनाती सहित अन्य चुनाव संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देशानुसार दिव्यांग मतदाताओं हेतु समस्त प्रकार की व्यवस्थायें पूर्ण कर ली जाए। इसके साथ ही समस्त मतदान केन्द्रों पर ए0एम0एफ0 व्यवस्थाएं ससमय सुनिश्चित करा ली जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चन्द्र, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी अपर जिलाधिकारी न्यायिक शशि भूषण, पी0डी0 सतीश प्रसाद मिश्र, सहित प्रभारी, नोडल/प्रभारी अधिकारी/ सहायक प्रभारी तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

## जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गो संरक्षण के संबंध में जनपद स्तरीय अनुश्रवण, मूल्याकंन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गो संरक्षण के संबंध में जनपद स्तरीय अनुश्रवण, मूल्याकंन एवं समीक्षा समिति की बैठक कलैक्टेऊट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में विचरण कर रहे समस्त निराश्रित/बेसहारा गोवंशों को तत्काल सुरक्षित किए जाने के संबंध में चर्चा की गयी। इसके साथ ही गोआश्रय स्थलों में सुरक्षित गोवंशों को पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की उपलब्धता पर जिलाधिकारी ने विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। बैठक में वर्षपर्यंत भूसा उपलब्ध कराये जाने हेतु रणनीति बनाये पर भी विस्तृत चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों को प्रधानों के साथ समन्वय बनाकर अच्छे से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी गोआश्रय स्थलों से सम्बद्व ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों की भागीदारी अच्छे से सुनिश्चित करवायें, उनके साथ लगातार संवाद बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी श्रेणी-5 एवं श्रेणी 6 की जमीनों पर हरे चारे की व्यवस्था हेतु उचित कार्यवाही करें। जमीनों को सही से चिन्हित करें। बैठक में समस्त गो आश्रय स्थलों में व्यवस्थाओं की ब्लाकवार विस्तृत समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की गयी। उन्होंने समस्त नोडल अधिकारियों को ग्राम प्रधानों के साथ निरन्तर बैठक कर गोशालाओं में समस्त व्यवस्था की अच्छे से मानीटरिंग करने के निर्देश दिये। इसके साथ जिलाधिकारी ने उपस्थित पशु चिकित्साधिकारियों को गो आश्रय स्थलों में भरण-पोषण के संबंध में सही रिपोर्ट देने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, ज्वाइंट मजिस्टेऊट सुनील धनवंता, पी0डी0 सतीश प्रसाद मिश्र, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 अनिल कंसल, डी0डी0ओ0 जी0बी0 पाठक, उपजिलाधिकारी सदर, उपजिलाधिकारी बिलारी, उपजिलाधिकारी कांठ, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त पशु चिकित्साधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

## अतिक्रमण को लेकर चला बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच
पवन कुमार

जालौन कोंच नगर में श्वह्ल नगर पालिका ने नगर में चलवाया बुलडोजर नालियों के ऊपर अतिक्रमण देख श्वह्ल नगर पालिका को आया गुस्सा और चलवा दिया बुलडोजर हालांकि सिर्फ नालियों के ऊपर चबूतरे या सीडी बनी हुई पाई उन्हीं जगहों को चिन्हित कर तुड़वाया गया कोंच उपजिलाधिकारी शुशील कुमार पुलिस फोर्स के साथ रहे मौजूद बहुत लोगों ने विनती की कि मैं अपने हाथों से तोड़ दूंगा या हटा लूंगा लेकिन यह नगर पालिका पवन कुमार मौर्य ने किसी की ना सुनी और अतिक्रमण अभियान को पूरा किया

### क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## प्रेमी के साथ हमबिस्तर थी बहू, सास ने देख लिया...फिर की ऐसी अजीबोगरीब मांग; जानकर रह जाएंगे सन्न

शादी से पहले के प्रेम संबंध में पड़ी विवाहिता ने प्रेमी को अपने घर बुलाना शुरू कर दिया। हाल में ही उसकी सास ने प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में उसे पकड़ लिया। सास ने इसकी जानकारी अपने बेटे को दी। इसके बाद पति ने विवाहिता को साथ रखने के लिए अजीबोगरीब मांग रख दी। एटा के मारहरा क्षेत्र की रहने वाली एक युवती का चार वर्षों से एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादी के बाद भी प्रेमी के साथ उसके संबंध लगातार बने रहे। यहां तक कि प्रेमी उसकी ससुराल भी आने लगा। जब ससुरालीजन को पता लगा तो पति ने साथ रखने से इन्कार कर दिया। प्रेमी पर मुकदमा दर्ज कराने का दबाव बनाया। इसके बाद महिला ने अपने प्रेमी पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि लगभग चार वर्ष पूर्व फोटोग्राफी का काम करने वाले अजय निवासी नगला भंडारी जिला कासंगज से उसको प्यार हो गया। जिसके बाद अक्सर हम दोनों मिलते रहे। इस काम में अजय के गांव का दोस्त जितेंद्र साझीदार बना। वह सिम व मोबाइल लाकर देता था। प्रेम तो परवान चढ़ा मगर शादी नहीं हो सकी। घरवालों ने युवती की शादी अलीगढ़ जिले के थाना दादों के गांव शेखुपुर में दिसंबर 2023 में कर दी।कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। ऐसा ही कुछ इन दोनों के साथ हुआ। शादी तो हो गई मगर छुप-छुप कर मिलना जारी रहा। इतना ही नहीं अजय उसकी ससुराल भी आने-जाने लगा। महिला का पति दिल्ली में नौकरी करता है। जिसके चलते अजय अक्सर महिला की ससुराल में रुक जाता था। 29 फरवरी को रात लगभग 11 बजे महिला की सास ने अजय के साथ उसको आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। जिसके बाद अजय तो वहां से भाग गया। मगर सास ने सारी सूचना अपने बेटे को फोन पर दे दी। महिला के पति ने अपने ससुर को फोन कर बुलाया औ पत्नी को उसके मायके भेज दिया। सास ने कहा कि जब तक अजय के खिलाफ मुकदमा नहीं लिखा जाता, हम नहीं बुलाएंगे। मजबूरन महिला ने थाना मारहरा में तहरीर देकर अजय के खिलाफ चार साल से तंग करने की रिपोर्ट लिखाई है। साथ ही लगातार संबंध बनाने की भी बात कही है।

## गजरौला में युवक ने भाइयों व भाभी की मदद से युवती को अगवा किया, हसनपुर में जीजा ने साली को पीटा

गजरौला निवासी युवक ने युवती को अगवा कर लिया। मामला अलग-अगल बिरादरी से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव बना हुआ है। पुलिस युवती को बरामद करने की कोशिश कर रही है। हसनपुर में परीक्षा देने से मना करने पर जीजा ने साली को पीट दिया। गजरौला निवासी युवती का गांव के ही युवक ने अपने दो भाइयों और भाभी की मदद से अपहरण कर लिया। मामला दो अलग-अलग बिरादरी से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी तीनों भाइयों और एक की पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर युवती की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण की 20 वर्षीय बेटी छह मार्च की शाम गुम हो गई थी। अगले दिन गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। जानकारी मिली कि उनकी बेटी को सात मार्च की शाम छह बजे गांव के ही दूसरी बिरादरी के तीन सगे भाई और एक महिला कार में जबरन डाल कर ले जा रहे थे। जिस पर पीड़ित ग्रामीण और उसकी पत्नी आरोपी के घर बेटी की जानकारी करने गए। आरोप है कि आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए कहा कि तुम्हारी बेटी का राजन के साथ शादी करने के लिए अपहरण किया है। पीड़ित परिवार थाने पहुंचा। पुलिस ने आरोपी राजन, उसके दो भाइयों जितेंद्र सिंह व रविंद्र सिंह और उसकी पत्नी विपिन देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सीओ श्वेताभ भास्कर का कहना है कि युवती की बरामदगी और आरोपियों कि गिरफ्तारी को संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जीजा के खिलाफ केस दर्ज -हसनपुर में कक्षा बारह की परीक्षा नहीं देने जाने पर गुस्साए जीजा ने साली के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव तसीहा निवासी शोभित की पत्नी रिंकी का मायका हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव सैमला में है। बताते हैं कि रिंकी इस वर्ष मायके में रहकर इंटर की बोर्ड परीक्षा दे रही थी।नौ मार्च को रिंकी की तबीयत खराब थी। वह परीक्षा देने के लिए नहीं जा पा रही थी। आरोप है कि शराब के नशे में रिंकी का जीजा भूत खदेड़ी निवासी सुनील वहां पहुंच गया। सुनील ने रिंकी को परीक्षा देने के लिए जाने के लिए दबाव बनाया। रिंकी ने मना किया तो उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। घायल का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुनील निवासी गांव भूत खदेड़ी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

## मादक पदार्थ तस्करी में दो युवक गिरफ्तार, दो करोड़ रुपये की अफीम बरामद

शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र में रविवार रात पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों से दो किलो अफीम बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब दो करोड़ रुपये बताई गई है।शाहजहांपुर में एक व्यक्ति की मौत के बाद उसका बेटा अफीम की तस्करी करने लगा। पुलिस ने युवक को उसके साथी के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों से पुलिस ने दो किलो अफीम बरामद की है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब दो करोड़ रुपये बताई गई है।एसपी ग्रामीण मनोज कुमार अवस्थी ने बताया कि थाना जलालाबाद की पुलिस टीम ने रविवार रात करीब नौ बजे जलालाबाद के गांव अतिबरा के निकट निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे बरेली रोड के पास बाइक सवार विकास निवासी ग्राम अकबरपुर थाना मदनापुर और पपिंदर सिंह निवासी ग्राम सीकमपुर थाना जलालाबाद को रोका। पिता ने तस्करी कर खरीद ली थी 50 बीघा जमीन -तलाशी में उनके पास से दो किलो अफीम बरामद हुई। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में विकास ने बताया कि पहले उसके पिता रविराम अफीम का धंधा करते थे। उसी से लगभग 50 बीघा जमीन खरीद ली। पिता ने चाचा ब्रजेश के साथ मिलकर फार्म हाऊस बना लिया। पिता के पास झारखंड का एक व्यक्ति आता था, जो अफीम दे जाता था। उसके पिता अफीम बेच देते थे। करीब छह माह पहले उसके पिता की मृत्यु हो गई। घर में पैसों की तंगी महसूस हुई तो उसने भी पिता के अफीम का धंधा शुरू कर दिया। इस धंधे में अपने दोस्त पपिंदर सिंह को भी मिला लिया। वे लोग अफीम बेचने निकले थे तभी पुलिस ने पकड़ लिया।

## क्षेत्र का भ्रमण कर सुना ग्रामीणों की समस्याए, कहा- विकास की कोई कमी नही रखेगें

क्यूँ न लिखूँ सच

दतिमा मोड़- स्थानीय विधायक, महिला बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी के पति ठाकुर राजवाड़े ने रविवार को भटगांव मंडल के ग्राम पलमा, पहाड़ अमोरनी, कटिंदा, चंद्रमेढा, टईया, बैजनाथपुर का दौरा कर मतदाताओं व ग्रामीणों का आभार प्रकट किया व आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुए। वहीं क्षेत्र भ्रमण के दौरान देर शाम को ग्राम पंचायत राई में श्री राजवाडे का कार्यकर्ताओं जनता व पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने पूरे जोश व उत्साह के साथ स्वागत किया। इस बीच पहुंच कर लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। वहीं इस दौरान ठाकुर राजवाडे ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए

जल्द समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया और कहा कि क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्याओं की निदान को लेकर हमेशा करेंगे मौके पर मंडल महामंत्री रमेश गुप्ता सहित भाजयुमो उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल, धर्मपाल पैकरा, पारस पैकरा, लक्ष्मी पैकरा, वरुण देवांगन, राजेश यादव, रामचंद्र जायसवाल, हृदय जायसवाल, रिजवार यादव, मनोज पैकरा, संजय देवांगन राजलाल देवांगन, राकेश यादव, प्रवेश देवांगन, शिवनारायण यादव, रामाशंकर पैकरा, सोमार पैकरा, जगमोहन जायसवाल, बुधन, कैलाश, ओम प्रकाश, सुरेश जयसवाल, धनेश्वर पैकरा, पुरन यादव, इंद्र यादव, सोनसाय, रामेश्वर पैकरा, सोहन यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं उपस्थित रहे।

## समय सीमा की बैठक में जिला खनिज न्यास निधि अंतर्गत प्रस्तावित प्रपोजल पर की गई चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला खनिज न्यास निधि अंतर्गत खनिज प्रभावित प्रस्तावित प्रपोजल क्षेत्रों के परिवेश व आवश्यकता अनुरूप विभाग प्रपोजल प्रस्तावित करें, यह बात आज कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने समय सीमा की बैठक के दौरान कही। बैठक में सभी विभागों द्वारा प्रस्तावित प्रपोजल पर बिन्दुवार चर्चा की गई। जिसमें जिले के प्रतिभावान छात्रों का चयन ज्यादा से ज्यादा नीट, आईआईटी और राज्य व केन्द्र आधारित प्रतियोगी परीक्षाओं में हो इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर चर्चा हुई। जिसमें जिले के ही प्रतिभावान शिक्षकों द्वारा उन्हें कोचिंग के माध्यम से मार्गदर्शन दिलवाने की बात कही गई। इसके साथ ही पंडो जनजाति के उत्थान आधारित, स्वास्थ्य, खेल, स्किल डेवलपमेंट व मूलभूत आवश्यकता आधारित मुद्दों पर बेहतर प्रपोजल प्रस्तुत करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। प्रबंधकारिणी समिति द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास सूरजपुर के वित्तीय वर्ष 2024-25 की कार्य योजना का अनुमोदन शासकीय परिषद से कराएं जाने हेतु निर्णय लिया गया और प्रगतिरत कार्यों को अविलंब पूर्ण करने हेतु संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया। बैठक में विभाग वार लंबित प्रकरणों पर भी चर्चा की गई, इसके साथ ही लंबित मामलों पर शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

## निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र एवं डाक मतपत्र दल को द्वितीय चरण का दिया गया प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोहित व्यास के निर्देशन में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को देखते हुए निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र एवं डाक मतपत्र में लगे स्टाफ का प्रशिक्षण जिला पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में दिया गया। जिसमें जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री पी.सी. सोनी प्राचार्य एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री संतोष कुमार उपाध्याय व्याख्याता द्वारा इसके संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन ड्यूटी में लगे लोक सेवक जो मतदान दिवस के दिन निर्वाचन ड्यूटी में व्यस्त होने के कारण उस मतदान केन्द्र में उपस्थित होकर मतदान करने में असमर्थ होते हैं, जहां के मतदाता सूची में उनके नाम होते हैं। उन्हें मतदान करने की सुविधा प्रदान करना होता है। चुनाव ड्यूटी में लगे ऐसे लोक सेवक जिनकी चुनाव ड्यूटी उसी निर्वाचन क्षेत्र में लगायी गई है जहां के ये मतदाता है, ये निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र के आधार पर मतदान करेंगे। चूंकि लोकसभा का निर्वाचन सम्पन्न होने वाले है, अंत इस श्रेणी में मतदान दल के सभी सदस्य, सभी पुलिसकर्मी आयेंगे। निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र हेतु उन्हें प्रारूप 12क में आवेदन देना होगा। इस आवेदन के साथ उन्हें निर्वाचन नियुक्ति आदेश की कॉपी, वोटर कार्ड की कॉपी लगाकर जमा करना होगा। आवेदन प्राप्त होने पर प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यह जांच की जायेगी कि यह उसी निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता है, जहां उसकी चुनाव ड्यूटी लगायी गयी है। जांच कर संतुष्ट हो जाने पर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उसे निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र प्रारूप 12 ख जारी किया जायेगा। जिसके आधार पर चुनाव ड्यूटी में नियुक्त ऐसे लोक सेवक उस मतदान केन्द्र पर जहां वह चुनाव ड्यूटी पर तैनात है, निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र प्रारूप 12 ख को पीठासीन अधिकारी को प्रस्तुत कर मतदान दिवस के दिन मतदान कर सकेगा। यह मतदान ईव्हीएम के माध्यम से होगा। प्रशिक्षण में निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र का लेखा रजिस्टर संधारण के बारे में विस्तार से बताया गया। अंत में प्रशिक्षणार्थियों को डाक मतपत्र एवं होम वोटिंग की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस बैठक में सहायक नोडल अधिकारी अलेक्जेंडर केरकेट्टा जिला सांख्यिकी अधिकारी उपस्थित रहे।

## कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 141 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा सत्र 2023-24 में आयोजित हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा कक्षा 12वीं के विषय-भूगोल (102), भौतिक शास्त्र (201) की परीक्षा जिले के निर्धारित 74 परीक्षा केन्द्रों में सफलता पूर्वक संचालित किया गया। जिसमें कुल दर्ज 6447 परीक्षार्थियों में से 141 अनुपस्थित रहे। श्री रामललित पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी, सूरजपुर के द्वारा शा. कन्या उ.मा.वि. विश्रामपुर एवं स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय विश्रामपुर वि.ख. सूरजपुर का निरीक्षण किया गया। समस्त परीक्षा केंद्रों में परीक्षा सुचारू एवं शांतिपूर्वक संचालित होना पाया गया।

## अंतराष्ट्रीय गौमाता सेवा महासंघ युवा टीम द्वारा बैठक का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

राकेश गुप्ता

जिसमें जिला अध्यक्ष शौर्य गिरी जी ने बताया कि कुछ गौमाता एक्सीडेंट से भूख प्यास से रोड पर सड़क पर गली मोहल्ले में बेहोशी की हालत में मृत्यु हालत में मिलती है जिससे गौ सेवको को पता नहीं चल पाता तो समाजसेवी युवा जिला अध्यक्ष माननीय श्री शौर्य गिरी जी ने नये गो सेवकों का भर्ती अभियान शुरू किया है गांव-गांव में जाकर सबको जागृत किया जिसमें गांव मुडेट के गौ सेवको का स्वागत किया गया जिसमें अंतराष्ट्रीय गौमाता सेवा महासंघ के सभी सम्मानित मौजूद रहे युवा जिला अध्यक्ष शौर्य गिरी जिला अध्यक्ष आशीष चौधरी जी जिला संरक्षक सुमित उपाध्याय जी संदीप ढींगरा अजीत ढींगरा मोनू राजपूत उज्जवल तोमर अरूण तोमर सुरज कुमार विशाल कुमार इशांत शर्मा जी मौजूद रहे

## संक्षिप्त समाचार

### सीओ ने की ग्रामीणों के साथ शांति समिति की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - क्षेत्राधिकारी बरला सर्जना सिंह के द्वारा थाना अकराबाद एवं नगर पंचायत पालिका कार्यालय परिसर में ग्रामीणों के साथ शांति समिति की बैठक का किया गया। बैठक में सीओ एवं थाना प्रभारी ऋषीपाल कसाना ने कहा कि लोकसभा चुनाव का समय आने वाला है।

क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में आप सभी लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है। अपने आसपास होने वाली सभी छोटी बड़ी घटनाओं की जानकारी तत्काल पुलिस को देते रहें। जिससे पुलिस समय से मौके पर पहुंच कर घटनाओं पर अंकुश लगा सकेंगी।

### किशोर की हत्या कर शव सरसों के खेत में फेंका, मृतक के निजी अंग हैं गायब

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ रोरावर थाना क्षेत्र में मथुरा बाईपास स्थित अल्तवार मीट फैक्टरी के पास सरसों के खेत में एक 17 वर्षीय किशोर का शव मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव तीन-चार दिन पुराना लग रहा है। मृतक के निजी अंग गायब है। रोरावर थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के नीवरी आसिफ बाग निवासी सानू ( 17 ) पुत्र लाल मोहम्मद चार-पांच दिन से लापता था। को अल्तवार मीट फैक्टरी के पास खेत में सरसों काट रहे मजदूरों की नजर पड़ी, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। एसओ रोरावर ने बताया कि थाने में कोई तहरीर नहीं आई है।

### खेत में गाय घुसने से दो पक्षों में हुई मारपीट,पथराव व फायरिंग

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ थाना लोधा क्षेत्र के गांव सदलपुर के एक खेत में गाय घुस जाने पर दो पक्षों में जमकर मारपीट,पथराव व फायरिंग हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण किया। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। सीओ गभाना ने बताया कि लोधा क्षेत्र के गांव सदलपुर में दो पक्षों में मारपीट,पथराव, फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। पुलिस दोनों आक्रामक पक्षो की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं घटना स्थल पर पुलिस फोर्स तैनात दी गई है।

### नगदी आभूषण समेत सात लाख की चोरी की घटना में पुलिस ने गैर जनपद के कई चोरों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। कस्बे में नगर पंचायत के सामने स्थित कालोनी में बीते माह 6 फरवरी को बंद मकान से की गई नगदी आभूषण समेत सात लाख की चोरी की घटना में पुलिस ने बृहस्पतिवार को जनपद समेत गैर जनपद के कई चोरों को गिरफ्तार कर लिया जिनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही जेवरात खरीदने वाला सुनार भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस चोरी गए माल की बरामदगी का हवाला देकर जल्द से जल्द घटना के खुलासे की बात कह रही है। बता दें कि जवां क्षेत्र के पड़का गांव निवासी मदन कुमार कस्बे के बगीची रोड पर एक किराए के मकान में रहते हैं। की सुबह वह घर का ताला लगाकर पारिवारिक कार्यक्रम में गांव चले गए। दोपहर में लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। तथा अंदर से 6 लाख कीमत के जेवरात और 90 हजार की नगदी गायब थी। इस मामले में उनकी ओर से अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया जिसमें पुलिस ने अलीगढ़ के दो चोरों समेत मेरठ के दो चोरों को भी गिरफ्तार कर लिया जिनमें से मेरठ क्षेत्र के एक गांव का नौशाद सुनार है। जोकि 58 हजार का माल 35 हजार में खरीदने की बात कहकर चोरों के बीच फंसने का रोना रो रहा था।

### श्रीमद् भागवत कथा पुराण 9 दिवस के लिए कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर जिले के दूरस्थ अंचल क्षेत्र के ग्राम चोंगा मे राम गोपाल साहू पिता जगदीश साहू के द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत कथा पुराण 9 दिवस के लिए कराया जा रहा है नगर मोहल्ला में चहल-पहल की माहौल है गुरु महाराज श्री रामपाल तिवारी जी के मुखारविंद से कराया जा रहा श्रीमद् भागवत पुराणछोटू बाबा कथावाचक और पंडित जी भोले महाराज सम्मिलित कथा वाचक दोनों जन हैं

# पत्नी और चार साल के बेटे के साथ सो रहा था सिपाही, अचानक देर रात उठा और गोली मारकर दी जान; वजह का पता नहीं

हापुड़ में सिपाही ने देशी पिस्टल से गोली मारकर की आत्महत्या कर ली। सिपाही साल 2019 में यूपी पुलिस में भर्ती हुआ था। दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर गांव आया था। उत्तर प्रदेश के हापुड़ के हाफिजपुर इलाके में एक सिपाही ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सिपाही दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या करने की वजह का खुलासा नहीं हुआ है।जानकारी के अनुसार, हाफिजपुर थाना इलाके के गांव चितौली में देर रात सिपाही ने कमरे में देशी पिस्टल से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गृहक्लेश के चलते आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक सिपाही वर्तमान में मुज्जफरनगर पुलिस लाइन में तैनात था। सिपाही दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर गांव आया था। पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी। गांव चितौली के साधारण किसान नरेश पाल सिंह का पुत्र जोनी बाना ( 28 ) वर्ष 2019 में यूपी पुलिस में भर्ती हुआ था। रविवार की रात वह अपनी पत्नी शिवानी और चार वर्षीय पुत्र शौर्य के साथ एक कमरे में सो गया था। देर रात घर के दूसरे कमरे से गाली चलने की आवाज पर उसकी पत्नी शिवानी की नींद खुल गई, जब वह पति को ढूंढते हुए दूसरे कमरे में पहुंची तो वहां पति का शव खून से लथपथ मिला। मौके पर एक देशी पिस्टल भी पड़ी थी। गांव में चर्चा है कि सोमवार की सुबह उसके परिजन मृतक जोनी को लेकर मुज्जफरनगर पुलिस लाइन भी पहुंचे थे। इसके बाद वह जोनी को लेकर गांव पहुंचे। स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना मुज्जफरनगर पुलिस के माध्यम से मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है। थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मुज्जफरनगर पुलिस के माध्यम से सिपाही जोनी बाना द्वारा आत्महत्या करने की जानकारी उन्हें मिली है। सूचना पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

# कांग्रेस-सपा गठबंधन से बदले समीकरण, इस लोकसभा सीट से भाजपा को टक्कर देंगे राज बब्बर!

राज बब्बर फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट से फिर से चुनाव मैदान में आ सकते हैं। कांग्रेस-सपा गठबंधन से बदले चुनावी समीकरण देख राजबब्बर ने यहां से चुनाव लड़ने का मना बनाया है। 13 मार्च को वे आगरा आ रहे हैं।फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट से फिर से राज बब्बर चुनाव मैदान में आ सकते हैं। कांग्रेस-सपा गठबंधन से बदले चुनावी समीकरण देख राज बब्बर ने यहां से चुनाव लड़ने का मन बनाया है। 13 मार्च को वे आगरा आ रहे हैं।कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और फिल्मी सितारे राज बब्बर फतेहपुर सीकरी से फिर चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस हाईकमान की बात मानते हुए उन्होंने मन बना लिया है। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना है कि इसी के चलते वे पहली बार गुजरात में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी शामिल हुए हैं। क्षेत्र में चुनावी माहौल परखने के लिए वह 13 मार्च को आगरा में आ रहे हैं। सपा से गठबंधन में फतेहपुर सीकरी लोकसभी सीट कांग्रेस के खाते में आई है। ऐसे में राज बब्बर फतेहपुर सीकरी से फिर दमखम दिखा सकते हैं। वह दो बार यहां से चुनाव लड़ चुके हैं। दोनों बार उनके हिस्से में हार आई। माना जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान का दबाव और सपा से गठबंधन के कारण बदले समीकरण ने उनको यहां से चुनाव लड़ने के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर दिया ।पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इसी के चलते व राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए हैं। अभी तक राज बब्बर इस यात्रा से दूरी बनाए हुए थे। यहां तक कि बीती 25 फरवरी को आगरा आई यात्रा में भी वह शामिल नहीं हुए थे। कांग्रेस हाईकमान ने उनसे लगातार संपर्क कर चुनाव लड़ने के लिए उन्हें राजी कर लिया है। समर्थकों से की रायशुमारी-सूत्र बताते हैं कि उन्होंने अपने समर्थकों से भी रायशुमारी की है। उनकी तरफ से माहौल सकारात्मक बताए जाने के बाद चुनाव में उतरने का मन बनाया है। सपा के गठबंधन से हालात भी बदले हुए हैं। ऐसे में उन्होंने हार-जीत का गणित बना लिया है। जनता का आदेश पूरा करना मेरा धर्म-कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर ने कहा कि वह आगरा क्षेत्र के बेटे हैं। उनके लिए आगरा-फतेहपुर सीकरी की जनता ही पार्टी है। उनका जो आदेश होगा, वह मायने रखता है और उसे पूरा करना उनका धर्म है। उन्होंने कहा कि वह अभी गुजरात में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हैं। 13 मार्च को आगरा आकर समर्थकों से रूबरू होंगे।दूसरे नंबर पर रहे दोनों बार-वर्ष 2009 में फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट का गठन हुआ। राज बब्बर को बीएसपी की सीमा उपाध्याय से 9936 वोट से हार मिली, वर्ष 2019 में फिर से कांग्रेस के निशान पर मैदान में उतरे। 172082 वोट मिले, लेकिन बीजेपी के राजकुमार चाहर से 495065 वोटो से बड़ी हार हुई। राजबब्बर दोनों चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे। पहली पसंद हैं राजबब्बर-प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस अजय राय ने बताया कि राज बब्बर हमारी पार्टी के वरिष्ठ और मंझे हुए नेता हैं। फतेहपुर सीकरी पर वह लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं, बाकी के प्रत्याशी की घोषणा हाईकमान के निर्देश पर की जाएगी।

# नावालिग से दुष्कर्म करने की घटना मे वाछिंत चल रहे एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था व अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के परिदृष्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु

चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पिलुआ पुलिस द्वारा थाना पिलुआ पर पंजीकृत मुअसं0-32/2024 धारा 376 भा0द0वि0 व ङ पॉक्सो अधिनियम के तहत वांछित चल रहे एक अभियुक्त को आज दिनांक 11.03.2024 को समय करीब 10.35 बजे गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्तर से आवश्यक विधिक कार्यवाही की

# पत्रकार जनकल्याण समिति के संस्थापक/ अध्यक्ष माननीय मनोज वर्मा जी ( स्वतंत्र ) ने ली संगठन की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

IHRCCO भारत के राष्ट्रीय प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण समिति के संस्थापक/ अध्यक्ष माननीय मनोज वर्मा जी ( स्वतंत्र ) ने ली संगठन की बैठक ।पूरे प्रदेश से सदस्यगण हुए शामिल। समाचार छत्तीसगढ़ रायपुर छत्तीसगढ़ पत्रकार जन कल्याण समिति एवं IHRCCO भारत के राष्ट्रीय प्रभारी मीडिया सेल मनोज वर्मा जी ( स्वतंत्र ) छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से आए सभी सदस्यों के साथ अहम बैठक में कई नए नए अहम कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार किया गया जिसमे संगठन की तरफ से सभी सेल के प्रदेश अध्यक्ष की सूची जारी किया गया । बैठक में श्री स्वतंत्र ने सभी सदस्यों को अवगत कराया की 2024/25 के लिए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति मार्च माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। सभी प्रदेशाध्यक्ष को सदस्यता अभियान चलाने की हिदायत दिया गया है 30 मार्च तक सभी प्रदेशाध्यक्षों को जिलों में जिलाध्यक्ष बनाने के निर्देश श्री ( स्वतंत्र ) जी ने दे दिया है जो प्रदेशाध्यक्ष अपने काम को नियत तिथि तक पूर्ण नही कर पायेगा उनके जगह पर जगह पर दूसरे को कार्यभार सौंप दिया जायेगा जिससे संगठन का कार्य मजबूती से चल पाए श्री वर्मा जी ( स्वतंत्र )ने।अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण संगठन की कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमे मुख्य रूप से जो सदस्य मीटिंग में शामिल नही हुए उन पर सख्त कार्यवाही करने का निर्णय लिया जाएगा ।महिला प्रदेशाध्यक्ष की भी नियुक्ति जल्द जारी कर दिया जाएगा इस अवसर पर मख्य रूप से मिथलेश वर्मा बलौदा बाजार ,दुर्गेश वर्मा रायपुर ,कृष्ण कुमार साहू धरसीवा, रोहित वर्मा खरोरा, श्रीमती पार्वती वर्मा भाटापारा, मनीष शर्मा दुर्ग, विष्णु गौतम भिलाई, दिनेश ठाकुर टिकरापारा रायपुर एवं समस्त पत्रकार साथी एवं संगठन के सदस्य गण शामिल हुए।

# IHRCCO भारत के राष्ट्रिय प्रभारी मीडिया सेल श्री मनोज वर्मा जी स्वतंत्र मिस नवी मुंबई 2024 के विजेताओं को बधाई देने पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन भारत, के राष्ट्रीय प्रभारी मीडिया सेल , छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण संगठन के संस्थापक / अध्यक्ष प्रथम दस्तक न्यूज चैनल के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी माननीय श्री मनोज वर्मा जी स्वतंत्र जी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नवी मुंबई के वाशी में एक फाइव स्टार होटल four point sheretan में मिस नवी मुंबई के कार्यक्रम में शामिल होकर मिस नवी मुंबई 2024 के विजेताओं को बधाई एवं शुभ कामनाएं देने पहुंचे साथ में कार्यक्रम के आयोजक संयोजक मनमीत जी,एवं हरमीत जी का भी मिस नवी मुंबई 2024 के सफल आयोजन के लिए बधाई दिया। इस अवसर पर श्री वर्मा जी स्वतंत्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की पिछले 13 वर्षों से लगातार मनमीत जी एवं हरमीत जी इस कार्यक्रम को सफल रूप से चला रहे हैं ये उनके लिए एवं उनकी टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।बता दें की इस कार्यक्रम को सफल बनाने में घर के छोटे से लेकर बड़ों का भी भरपूर सहयोग मिलता है साथ में पूरी टीम जी जान लगाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाते है। पिछले 2023 के विजेताओं द्वारा 2024 के नव नियुक्त मिस नवी मुंबई को ताज पहनाकर उन्हे सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक श्री हरमीत जी ने बताया की सभी 14 प्रतिभागियों के साथ जगह जगह कार्यक्रम आयोजन किया गया और आज नवी मुंबई का फाइनल ( फिनाले ) परिणाम आज के इस कार्यक्रम में शामिल होकर सभी जजों के फैसले के अनुसार परिणाम घोषित किया गया जिसमे दूसरा रनर अप के रूप में रनर अप का खिताब भावना अजवानी प्रतिभागी नंबर 4 ताज की मालकिन बनी इसी प्रकार प्रतिभागी नंबर 9 कनक अग्निहोत्री को पहले रनर अप का खिताब से नवाजा गया। और उसके बाद वो घड़ी आ ही गया जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था जिसका सभी इंतजार कर रहे थे 2024 की ताज पाने वाली मिस 2024 की प्रतिभागी नंबर 13 तमन्ना भारत को मिस नवीमुंबई का ऐलान करते हुए सारा हाल तालियों और खुशियों से गूंज उठा और आखिर कर प्रतिभागी नंबर 13 तमन्ना भारत को मिस नवी मुंबई बनने से कोई नही रोक पाया। इस अवसर पर तमन्ना भारत के मिस नवी मुंबई ऐलान होने पर उनके आंखों से आंसू चालक आया क्योंकि उनका पूरा परिवार उस समय मौजूद था ।

# शामली में शराब पार्टी के दौरान युवक ने दोस्तों को चाकू घोपा चीख पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के गांव सिक्का में दो दोस्तों के बीच शराब पार्टी के बाद हुई चाकू बाजी में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया लोगों ने आनन फानन युवक को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जा से डॉक्टर ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया उसने मामला दर्ज कर लिया है सिक्का गांव निवासी प्रदुमन और राजकमल पुत्र कर्मवीर दोनों दोस्त हैं रविवार की देर रात कम से लौटकर दोनों में शराब पार्टी की थी शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर हुए विवाद में राजकमल ने प्रदुमन को चाकू से गोदकर घायल कर दिया वही चीज पुकार सुनकर अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घर प्रद्युमन को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंचे पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया डॉक्टर ने घायल प्रद्युम्न की हालत गंभीर होने पर उसको हायर सेंटर रेफर कर दिया परिजनों का यह कहना है कि दोनों दोस्त हैं और पहले भी कई बार एक साथ बैठकर शराब पी है लेकिन रात हुए विवाद में प्रद्युमन को उसी के दोस्त ने चाकू से गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

## संक्षिप्त समाचार

# मित्र सेवा माइक्रो फाइनेंस ब्रांच का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच -मानस मिश्रा

बगदरा( खम्हरिया ) - बगदरा( खम्हारिया ) में मित्र सेवा माइक्रो फाइनेंस ब्रांच का शुभारंभ हुआ जिसमें विभिन्न प्रकार की बैंकिंग बचत खाता खोलना, आरडी खाता, एफडी खाता, डेली डिपोजिट खाता, पैसा निकालना ,पैसा भेजना एवम लोन सुविधा के साथ सभी तरह का गाड़ी बीमा, के साथ साथ विभिन्न प्रकार आनलाइन संबंधित सुविधा प्राप्त होगी।

आज के इस माइक्रो फाइनेंस ब्रांच के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महादेव सिंह वरिष्ठ समाजसेवी ,विशिष्ट अतिथि के रूप मे श्रीकांत वैश्य एरिया मैनेजर मित्र सेवा ,श्री कृष्णकांत शुक्ला, राहुल शुक्ला रोजगार सहायक खम्हारिया,रामकृपाल सिंह,कृष्णपाल सिंह,पितेंद्र जायसवाल ( राजू ),रामरहिस बैस,चितरंगी ब्रांच मैनेजर हेमंत कुमार,संतोष बैस,राम विलोक बसोर,राम कुमार गुप्ता, लक्ष्मण बैस के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी लोग उपस्थित रहे। अंत में मित्र सेवा माइक्रो फाइनेंस ब्रांच मैनेजर बगदरा ( खम्हरिया )लाल सुंदर सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार जताया।

# शामली में जल्द शुरू होगा 50 वाहिनी पीएसी कैंप एवं फायरिंग रेंज का निर्माण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली लोकसभा के चुनाव के बाद कैरना क्षेत्र के ऊंचा गांव में 50 सी वाहिनी एक कैंप और गुजरपुर में फायरिंग रेंज की स्थापना का निर्माण कार्य शुरू होगा लोक निर्माण विभाग भवन खंड लखनऊ की ओर से ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दिया कल्पना टोल और राजकीय निर्माण निगम के ऑनलाइन टेंडर आवेदन किया गया है लोक निर्माण विभाग दोनों निर्माण एजेंसी में से एक का नाम चयनित कर टेंडर को अंतिम रूप देगा टेंडर फाइनल होने के बाद एक माह में अनुबंध प्रक्रिया पूरी करने के बाद निर्माण कार्य शुरू हो पाएगा कैराना के पूर्व सांसद हुकम सिंह ने वर्ष 2016-17 में अपने कार्यकाल में पलायन का मुद्दा उठाते हुए कैराना और कांधला मैं पीएसी कैंप की स्थापना की मांग की थी 3 फरवरी को कैराना के पूर्व सांसद हुकम सिंह के निधन के बाद 2018 में लोकसभा उपचुनाव में शामली के आर के पीजी कॉलेज में चुनावी सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैरना और कांधला के बीच पीएसी बटालियन कैंप और फायरिंग रेंज की स्थापना की घोषणा की थी गुजरपुर में 2486 97 हैक्टेयर पर भूमि में फायरिंग रेंज और ऊंचा गांव में पीएसी कैंप के लिए 1.42 42 हेक्टेयर भूमि का चयन कर जिला प्रशासन में एस्टीमेट बनाकर शासन को भेजा था 8 नवंबर 2021 में कैराना के विजय पथिक महाविद्यालय आयोजित समारोह में ऊंचा गांव में पीएसी कैंप और गुजरपुर में फायरिंग रेंज की आधारशिला रखी थी जिला प्रशासन की ओर से पहुंच गांव में पीएसी कैंप और फायरिंग रेंज कार्यालय एवं आवास के कार्यालय भावनाओं का एस्टीमेट बनाकर शासन को भेजा गया 3~30 महापूर्व अप केबिनेट की बैठक में 50 की वाहिनी पीएसी कैंप फायरिंग रेंज का 378.089 करोड़ रुपए का कम मुक्त कर दिया गया था

# शामली में सांसद ने किया 13 सड़कों का लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 13 सड़कों का वर्चुअल लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया कौन पुलिस चौकी चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद प्रदीप चौधरी ने पूजन कर नारियल फोड़कर सड़कों का लोकार्पण किया विभाग की अधिशासी अभियंता निशु मान ने बताया कि जनपद शामली में कुल 73 मार्ग जिसकी लंबाई 426.145 किलोमीटर है 373

मार्गों में से 55 मार्गों को 5 वर्ष से अनुरक्षण अवधि पूर्ण होने के पश्चात लोक निर्माण विभाग की हस्ताक्षर्रित किया जा चुका है शेष 18 मार्ग पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि में है जुलाई 2019 में जनपद में 17 मार्ग जिनकी लंबाई 147.5 कम है निर्माण कार्य किए गए जिसमें से चार मार्गों का लोकार्पण संसद द्वारा पूर्व में किया जा चुका है तेरा सड़कों का लोकार्पण किया जा रहा है सांसद प्रदीप चौधरी ने कहा कि सरकार ने 5 वर्ष सड़क स्वास्थ्य सुरक्षा एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है उन्होंने अपने 5 साल में कराए गए विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी कार्यक्रम में कैराना विधानसभा प्रभारी लोकेश दीक्षित भाजपा जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा सुशील गर्ग रवि गोयल निविश ओमपाल पूर्व प्रधान टीटू प्रधान परीक्षित प्रधान नरेश कुमार आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का प्रविता रूबी चौधरी ने किया

# ससुराल में नॉनवेज न मिलने पर बिगड़ा दामाद! शादी के चार माह बाद पत्नी को घर से निकाला...अब इस जिद पर अड़ा

शादी के दौरान दावत में नॉनवेज न मिलने पर दामाद बिगड़ गया। उस वक्त तो कुछ नहीं कहा लेकिन घर आने के बाद नई नवेली दुल्हन को ताने देने शुरू कर दिए। चार माह बाद ही विवाहिता को घर से निकाल दिया। आगरा के रकाबगंज थाना क्षेत्र की एक युवती की शादी दिसंबर 2022 में फरीदाबाद में हुई थी। उसे शादी में नॉनवेज की दावत न मिलने का ताना देते हुए चार महीने पहले घर से निकाल दिया गया। विवाहिता की शिकायत पर मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचा है। काउंसलर ने दो बार तारीखें दीं लेकिन ससुराल पक्ष के न आने से बात नहीं बनी। अब अगली तारीख दे दी गई है। युवती के पिता ने 2014 में लोकसभा और 2017 में विधानसभा का चुनाव लड़ा था।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति आरटीओ विभाग में हैं। मायके में परिवार में कोई नॉनवेज नहीं खाता है। ससुराल पहुंची तो पति नॉनवेज की दावत न देने की बात कहते हुए ताने मारने लगे। जब भी मौका मिलता है बार-बार नॉनवेज की दावत न मिलने का ताना देते हैं। ऐतराज करने पर शादी में ब्रांडेड कंपनियों का सामान न देने का भी आरोप लगाया और शादी के चार महीने बाद ही घर से निकाल दिया।मायके में इंतजार करने के बाद मई-जून माह में महिला थाने में शिकायत की। अब परिवार परामर्श केंद्र में दो तारीखें पड़ने के बाद भी ससुराल से कोई नहीं आया। काउंसलर ने आखिरी तारीख दी है।सास बनवाती है पैग, बिगड़ा घर का माहौल-लोहामंडी थाना क्षेत्र की एक युवती ने सिकंदरा निवासी युवक से प्रेम विवाह किया था। ससुर की मौत हो चुकी है। पति स्वास्थ्य विभाग में है। शादी को अभी एक साल हुआ। पत्नी का आरोप है

कि जब वह ससुराल पहुंची तो उसने देखा कि सास शराब पी रही थी। दो चार दिन तो सास ने उसे कुछ नहीं बोला। मगर बाद में शाम होते ही पैग बनवाने लगी। तरह-तरह के चखने की फरमाइश करने लगी। विरोध पर गालीगलौज करती। पति से शिकायत करने पर उसने भी मां का साथ दिया। घर का माहौल खराब होता देख 8 महीने पहले मायके आ गई। पति का कहना है कि पिता की मौत के बाद से मां शराब पीने लगी। मगर, बहू से कुछ नहीं कहती। काउंसलर डॉ. अमित गौड़ ने बताया कि रविवार को दोनों पक्षों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। मगर बात नहीं बन सकी।

# रेल लाइन का लोकार्पण करेंगे पीएम

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - मालगाड़ी स्पेशल रेलवे ट्रैक का प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद, विधायक सहित अन्य क्षेत्रीय प्रतिनिधियों सहित रेलवे एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के उच्चाधिकारी मौजूद रहेंगे। यह रेल लाइन 500 करोड़ रूपये की लागत से बनकर तैयार हुई है। इससे कोयला ट्रेन जाएंगी। रविवार को जवाहर तापीय विद्युत परियोजना के चीफ इंजीनियर अजय कुमार एवं रेलवे ट्रैक बनाने वाली संस्था राइट्स के मैनेजर आकाश वर्मा ने बताया कि देश में गति शक्ति योजना के तहत बनकर तैयार हुए सभी फ्रेट कार्गो रेल टर्मिनलों का 12 मार्च को प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल लोकार्पण करेगें। जिसमें एटा-मलावन के बीच बनकर तैयार हुई नई फ्रेट रेलवे लाइन सहित एटा-बरहन रेल लाइन पर मालगाड़ियों के अवागमन के लिए बनकर तैयार हुई लूप लाइनों का भी लोकार्पण प्रधानमंत्री के माध्यम से किया जाएगा। एटा-मलावन रेल लाइन निर्माण सहित एटा-बरहन रेल लाइन को डीएफसी से जोड़ने के लिए बनाई जाने वाली नई रेल लाइन सहित कुल रेल ट्रैक प्रोजेक्ट पर 1050 करोड़ का खर्चा होना है। इसमें एटा-मलवान रेल लाइन बनकर तैयार हो चुकी है। शिवालय टेहू से डीएफसी के बीच कार्य प्रारंभ होने वाला है। एटा रेलवे स्टेशन पर होगा लोकार्पण कार्यक्रम- एटा, रविवार को एटा रेलवे स्टेशन के चीफ गुड्स सुपरवाइजर एवं लोकार्पण कार्यक्रम नोडल कमलेश मीना ने बताया कि जवाहर तापीय रेलवे लाइन लोकार्पण का कार्यक्रम एटा रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें रेलवे क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों सहित रेलवे एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के उच्चाधिकारी मौजूद रहेगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में डीएफसी के अधिकारी फ्रेट कॉरिडोर से माल यातायात में हो रही सुविधाओं की जनसमान्य को जानकारी देंगे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी अयोजित किए जाएगे। यह लोग होंगे इसमें शामिल-एटा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद राजवीर सिंह के अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड, मारहरा विधायक वीरेंद्र लोधी, जलेसर विधायक संजीव दिवाकर एवं अंलीगंज विधायक सत्यपाल राठौर सहित अन्य भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

# रफ्तार ने ली जान: शादी में जा रहे युवकों की बाइक हाइवे पर खड़े ट्रक से टकराई, दो की मौत; तीसरे की हालत गंभीर

शादी समारोह में जा रहे तीन दोस्तों के बाइक हाइवे पर खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मैनपुरी के बेवर थाना क्षेत्र के एनएच 34 पर खड़े ट्रक में बाइक घुसने से दो दोस्तों की मौत हो गई, वहीं तीसरा दोस्त गंभीर घायल है। मृतक दोस्त की शादी गांव में अपने समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। सूरजपाल सिंह पुत्र रामरतन राजपूत निवासी अब्दुलपुर थाना सांडी जनपद हरदोई अपने गांव के ही साथी सुमित कुमार पुत्र लखपति राजपूत और अनुराग पुत्र जयपाल सिंह निवासी मुबारकपुर टीला थाना कोतवाली कन्नौज के साथ दिल्ली से हरदोई लौट रहा था। रास्ते में बेवर थाना क्षेत्र के एन एच 34 के बाईपास पर ग्राम खंकेताल के सामने रात लगभग 2:00 बजे उनकी तेज रफ्तार बाइक खड़े ट्रक में जा घुसी। मौके पर ही सूरजपाल सिंह 21 वर्ष, सुमित 20 वर्ष की मौत हो गई। वहीं अनुराग 22 वर्ष गंभीर रूप से जख्मी है, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया । यहां से सैफई मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। देर रात रास्ते से गुजर रहे लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को 112 नंबर पर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के परिजनों जानकारी दी। शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

# सरकारी आवास में बेड पर मिला लेखपाल का शव, पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं

शाहजहांपुर के कलान में लेखपाल पीयूष कुमार की मौत हो गई। उसका शव शनिवार रात आवास में बेड पर मिला। पोस्टमार्टम में उनकी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। शाहजहांपुर में संदिग्ध हालात में लेखपाल का शव कलान तहसील परिसर में बने सरकारी आवास में कमरे के अंदर बेड पर मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर विसरा सुरक्षित किया गया है। जनपद हरदोई के थाना बिलग्राम क्षेत्र के गांव पचनेरा निवासी पीयूष कुमार ( 33 वर्ष ) यहां तहसील कलान में तैनात थे। पिछले साल दीपावली के आसपास उनका तबादला तिलहर से कलान हुआ था। वह तहसील परिसर में ही बने आवास में रहते थे। शाम को भाई से हुई थी बात -शुक्रवार शाम आठ बजे मोबाइल फोन पर उनकी भाई दुष्यंत से बात हुई थी। इसके बाद से उनकी कॉल नहीं उठी। वह शनिवार को थाना दिवस पर भी नहीं पहुंचे थे। शनिवार रात करीब नौ बजे उनके भाई दुष्यंत, आशीष व पिता शिव सिंह कलान तहसील परिसर स्थित आवास में पहुंचे। आवास का दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से आवास का दरवाजा तोड़ा तो पीयूष बेसुध बिस्तर पर लेटे मिले। मौके पर पहुंचे सरकारी चिकित्सक ने जांच करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीयूष के भाई दुष्यंत की तहरीर पर मौत का कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम कराया। मिर्जापुर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ। इस पर विसरा जांच के लिए भेजा जाएगा। पत्नी उन्नाव में हैं शिक्षिका -पीयूष की शादी 2018 में सीमा देवी से हुई थी। सीमा वर्तमान में उन्नाव जिले के बांगरमऊ स्थित प्राथमिक स्कूल में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। पीयूष के तीन वर्षीय बेटी प्रिंसा है।

# आर्य समाज मंदिर में लगा स्वास्थ्य कैंप, कराई जांचें

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा - आर्य समाज मंदिर में स्वास्थ्य कैंप आयोजन किया गया है। इस कैंप में जांच कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। 160 लोगों ने अपने- आर्य समाज मंदिर में स्वास्थ्य शिविर आयोजन किया गया है। इस शिविर में जांच कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। 160 लोगों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया गया। क्रीडा भारती एवं केपी हॉस्पिटल आगरा के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आर्यसमाज मन्दिर मेहता पार्क में किया।

शिविर का शुभारंभ मारहरा विधायक वीरेंद्र वर्मा एवं प्रांत उपाध्यक्ष क्रीड़ा भारती प्रतीक अमोरिया ने संयुक्त रूप से किया। स्वाथ्य शिविर में 160 मरीजों का परिक्षण किया गया। शिविर में नि:शुल्क ईसीजी 60 लोगों, ब्लड शुगर 160 मरीज पहुंचे। हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर अभिषेक गुप्ता, विशेषज्ञ डॉक्टर भुवनेश शर्मा, सर्जन डॉक्टर हितेश कृष्णा, डॉक्टर ओशो, मोहन ने मरीजों को देखा। अस्तपाल के एटा प्रभारी राजीव दीक्षित ने बताया कि हॉस्पिटल की ओर से समय समय पर जन सुविधा के लिए इस तरह के शिविरों का आयोजन करता रहेगा। अभय मिश्रा, एडवोकेट हरिओम शर्मा, वरुण चौहान, अंकित दीक्षित, गोल्डी जैन, शशांक जैन आदि लोग मौजूद रहे।

# दो अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -कोतवाली नगर एटा पुलिस को मिली बडी सफलता, नगर क्षेत्र में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण, दो अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार, तालों की चाबी बनाने के बहाने बनाते थे घरों को निशाना, 88200 रुपये व सोने के आभूषण (कीमत करीब 3.50 लाख रुपए) बरामद। घटना का विवरण - दिनांक 10.03.2024 को वादी श्री राजीव वर्मा द्वारा थाना कोतवाली नगर पर इस आशय की सूचना दी गई कि उनके घर से अज्ञात चोरों द्वारा कुल 88200 रुपये व सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए हैं। इस सूचना पर थाना कोतवाली नगर पर मुअसं-102/24 धारा 380 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। अनावरण तथा गिरफ्तारी - दिनांक 11.03.2024 को थाना कोतवाली नगर एटा पर गठित टीम द्वारा चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर समय करीब 11.50 बजे गंजडुण्डवारा रोड धान मील के पास से दो शातिर अंतर्राज्यीय चोरों को चोरी किए गए माल 88200 रुपये व सोने के आभूषणों सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। महत्वपूर्ण तथ्य - 1. अभियुक्तगण महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं तथा तालों की चाबी बनाने का कार्य करते हैं। 2. ये उत्तर प्रदेश में आकर अलग-अलग शहरों में जाकर गलियों आदि में घूम-घूम कर चाबी बनाने के नाम पर घरों की रैकी करते हैं। 3. साथ ही मौका पाकर मकान मालिकों की नजरों से बचते हुए चोरी कर लेते हैं। 4. पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा अन्य जनपदों तथा राज्यों में इस प्रकार के अपराधों का किया जाना स्वीकार किया गया है। जिसके सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### पुरानी रंजिश में दबंगों ने पीड़ित परिवार को लाठी डंडों से जमकर पीटा

क्यूँ न लिखूँ सच -रामदीन

बाराबंकी जिले के थाना असंद्रा क्षेत्र के ग्राम धनोरा निवासी पीड़ित तेजराम रावत पुत्र रामशरण रावत का आरोप है घर की जमीन में हिस्सा बांट को लेकर परिवार के ही सीताराम रावत वीरेंद्र कुमार रावत लवलेश कुमार पुत्र रामशरण रावत से वाद विवाद चल रहा था इसी विवाद के चलते 10 मार्च की रात समय करीब 8:00 बजे मैं अपने दरवाजे पर बैठा था इस समय दबंग सीताराम वीरेंद्र कुमार लवलेश कुमार सभी लोग एक राय होकर लाठी डंडा लेकर मेरे दरवाजे पर आ गए और मुझे गालियां देने लगे जब मैं गाली देने से मना किया तो सभी लोग मुझे लाठी डंडों से मरने लगे ताबाद तो लाठी पढ़ने से पीड़ित का हाथ टूट गया और जमीन पर गिर गया पीड़ित ने इसकी शिकायत थाना असंद्रा मैं की है पुलिस ने दोनों पार्टियों को पुलिस चौकी सिदौर बुलाया तो दोनों पार्टियों में या समझौता हुआ कि तेज राम रावत का जहां आवास बना हुआ है वहां पर तेज राम रावत का ही कब्जा रहेगा और जहां पर वीरेंद्र कुमार लवलेश कुमार सीताराम का पुश्तैनी घर है वहां पर उनका कब्जा रहेगा

### जनपद का होगा हर संभव विकास : साकेत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकसभा 58 श्रावस्ती से सकेत मिश्रा को प्रत्याशी बनाया गया है जिससे जनपद में खुशी के लहर दौड़ गई। जनपद श्रावस्ती में भारी भरकम के साथ सकेत मिश्रा क्षेत्र का भ्रमण किया और बताया कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा किए गए कार्य को जनता तक बताया और कहा कि की चुनावी मुददा विकास कार्य श्रावस्ती में दलित व अल्पसंख्यक को उच्च स्तर की शिक्षा व औद्योगिक विकास और सभी वर्ग के लोगों का विकास सभी लोगों का सम्मान पार्टी के नियमों का अनुपालन करना सबका साथ सबका विकास हमारा मख्य धारा होगा और हम हर संभव जनपद श्रावस्ती का विकास करेंगे। सकेत मिश्रा ने बताया कि गरीब असहाय दलित अल्पसंख्यक सभी वर्ग के लोगों को सरकार द्वारा दिए गए लाभ पहुंचाना हमारा परम कर्तव्य है और शासन प्रशासन से हर संभव जनपद श्रावस्ती के वासियो को मदद किया जाएगा। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### 3 दिन बाद गांव पहुंचा फूलचंद का शव मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - श्रावस्ती के बरगदहा गांव में उस समय कोहराम मच गया जब फूलचंद का शव 3 दिन बाद घर पहुंचा। फूलचंद के आखिरी दीदार के लिए पूरे गांव उमड़ पड़ा और पूरे गांव में मातम छा गया मृतक फूलचंद का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। श्रावस्ती जनपद के थाना मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरगदहा के निवासी फूलचंद पुत्र सोभा राम पिछले 4 महीने पहले रोजी रोटी कमाने के लिए बिटकेवाड़ी कर्जत जिला अहमदनगर महाराष्ट्र में होटल न्यू साई में काम करने के लिए गया हुआ था। वहीं फूलचंद ने अपने पिता सोभा राम से फोन पर बातचीत की उसके बाद देर रात करीब 9 बजे सूचना मिली की फूलचंद का शव उसके कमरे में फंदे से लटकता हुआ देखा गया है। इस खबर को सुनते ही पूरे बरगदहा गांव में कोहराम मच गया। वहीं होटल के मालिक ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही थाना अहमदनगर की पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे से लटक रहे फूलचंद के शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद फूलचंद का शव आज जब बरगदहा गांव में पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। फूलचंद के फंदे से लटकने का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा। वहीं मृतक फूलचंद के पिता सोभा राम का कहना है कि मेरे पुत्र की हत्या करके फंदे से लटकाया गया है।

### मतदान से पहले हो सड़क की मरम्मत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमनहा के नानपारा गिरंट मार्ग से चमारनपुरवा गांव होते हुए बभनपुरवा बरगदही पिपरहवा तक पांच किलोमीटर सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई जिसके - चलते सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति प्रेशान हो उठे हैं। इस मार्ग के बदहाल होने से दर्जनों गांव के सैकड़ों लोग इस उखड़ खाबड़ गट्टे में तब्दील सड़क पर चलने के लिए बाध्य हो रहे है। यहां तक लोकसभा चुनाव नजदीक आ गया है और चभनपुरवा बरगदही प्राथमिक विद्यालय पोलिंग बूथ पर पहुंचने वाले आम जनता से लेकर जिले के मतदान कर्मी इसी बदहाल मार्ग से होकर मतदान कराने से लेकर मतदान करने पोलिंग बूथ तक पहुंचते है। क्षेत्र के लोगों लोकसभा चुनाव से पहले इस सड़क की मरम्मत कार्य कराने मांग श्रावस्ती जिला अधिकारी से की है। यहां तक बरगदही प्राथमिक विद्यालय पोलिंग बूथ तक पहुंचने के लिए रिसिया मिर्जापर मार्ग कतकड़ी चौराहे बादलपरवा से होते बरगदही प्राथमिक विद्यालय पोलिंग बूथ तक पहुंचता है वह जगह जगह गड्ढे में तब्दील हो गया है। जनता की मांग है कि दोनों सड़कों को पिच पेंटिंग कराया जाये ।

# Ramadan 2024: To avoid diabetes becoming a problem during Ramadan, keep these 5 things in mind

The month of Ramadan is sacred for Muslims. This time it is starting from March 11. Since in Islam religion there is a tradition of fasting this entire month. In such a situation, if you are a diabetic patient then you must take some precautions. In this article, we will tell you about 5 such things, by taking care of which you will be able to worship God without any problem. The month of Ramadan is very sacred in the Muslim community. Diabetic patients should take special care of their health during the days of Ramadan. Quitting eating and drinking has a significant impact on the blood sugar level. What is the importance of the month of Ramadan in the religion of Islam? You must know about this. This time this Pak month will start from March 11, 2024 and will continue till April 9, 2024. In such a situation, if you have diabetes and are going to fast, then you must know these 5 things to keep your health healthy and blood sugar under control. Take care of fiber during Sehri - You should consume fiber during Sehri. One should consume plenty of things. This can help you maintain blood sugar. Let us tell you, the body takes more time to digest fiber rich foods, in such a situation the blood sugar level in the body does not increase suddenly. Checking blood sugar during fasting - Iftar in the evening after sunset and before sunrise in the morning. Anything can be eaten or drunk only at the time of Suhoor i.e. Sehri. In such a situation, blood sugar can go up and down. Therefore, it is important that you keep testing it from time to time. Drink herbal tea made from cinnamon - You can also consume herbal tea made from cinnamon before sunrise. Let us tell you that it proves to be very helpful in keeping the insulin level normal, this has also been confirmed in many researches. Apart from this, it can also reduce frequent hunger pangs. Be physically active - If you are a diabetic patient and are going to fast, then know that it is very important for you to be physically active. If you feel weak, you can also try some yoga asanas, like Dhanurasana, Balasana and Mandukasana. You will easily get detailed information related to this on the internet. Get enough sleep - If you are a diabetic patient, then you should not compromise on sleep under any circumstances during fasting days. Doing this can prove harmful for your health. Be it children or adults, everyone should take 7 to 8 hours of sleep daily. This will not only improve your digestion, but you will also be able to keep your blood sugar under control.

# Are you also facing stress due to infertility, then these tips can prove helpful in overcoming it.

The problem of infertility has more impact on the mental health of women than the physical one. Today millions of women around the world are affected by this problem. There are many types of misconceptions in the society regarding this, due to which many times women are not able to talk about it openly and keep facing stress, then these tips can prove to be helpful in getting out of it. According to statistics, about 53.08% to 64% of women in the world are % of women are facing infertility. Due to infertility, women also become victims of stress and depression.These tips can prove helpful in recovering from stress. Millions of women around the world are suffering from infertility. Which also affects their mental health. Due to the problem of infertility, women feel isolated in the society, due to which they become victims of stress. Women have to face more problems due to lack of social thinking and support related to infertility. According to statistics, about 53.08% to 64% women in the world are facing infertility. Some suggestions given by experts can prove helpful to women in overcoming this challenge and empowering themselves. Know about it. Accepting the circumstances - Women suffering from reproductive problems are also struggling with anxiety, stress and feelings of isolation, so to deal with this, it is important to understand that infertility is not only a women's problem and for this, it is necessary to take care of yourself. It is not right to consider him guilty. Infertility is also found in men. Therefore, it is important to provide emotional support to each other and not to hesitate in seeking help from a doctor. Communication is important – To deal with infertility, it is very important to have open communication between couples. Talking about the problems and emotions related to infertility strengthens their bond and they face this challenge together. Support from friends, family or support groups also proves to be very helpful during difficult times. Getting modern medical help - Dr Manika Singh, Consultant, Birla Fertility and IVF, Lucknow says, 'Advances in medical science have made infertility treatment easier. It has made it possible to conceive. Modern treatments like fertility enhancing drugs, intrauterine insemination (IUI), in vitro fertilization (IVF) have removed the obstacles to pregnancy. A doctor's consultation is necessary to know about all the treatment options and choose the right method of treatment for you. Women wishing to become mothers should consult a doctor regardless of social pressure or talk. Lifestyle and Self-Care: Amidst doctor visits, treatment and physical and emotional pressure, it is important for women to pay attention to self-care. For this, balanced diet, regular exercise and stress control are required. These changes in lifestyle have a positive impact on fertility. Activities like meditation and yoga also prove to be very effective in reducing stress.

# Include Selenium Rich Foods in your diet, it will protect you from many serious diseases like heart attack and cancer.

The body needs many nutrients like vitamins and minerals to remain healthy. Nowadays, there is a risk of diseases ranging from heart attack to cancer due to wrong eating habits. In such a situation, have you ever heard about selenium rich diet? Let us tell you how beneficial it can be for your health. To stay healthy, it is important to consume adequate amount of selenium. A child between 6 months to 14 years needs about 15 to 55 mcg of selenium. Selenium is found in good quantity in many things like milk, curd and leafy green vegetables. To stay healthy, it is very important to take special care of food. Especially in today's unhealthy lifestyle, there is a risk of oxidative damage in the body. In such a situation, selenium can be very helpful for you. This is a mineral which, together with Vitamin E, provides many health benefits. Let us know how this powerful anti-oxidant can protect you from major diseases. How much amount of selenium does the body require? According to WHO, the body needs selenium according to age. On one hand, men require 34Ug of selenium per day, while for women this amount is 26Ug per day. According to the National Institute of Health, the body needs 55 micrograms of selenium when the age is more than 14 years. At the same time, newborn children need 20 micrograms of selenium every day. Apart from this, its need is more in pregnant women as compared to other people. In such a situation, it is important to include selenium rich foods in the diet to stay healthy and prevent diseases. These foods can overcome selenium deficiency in the body - Cottage cheese - it is a good source of selenium. 100 grams of cheese contains about 20 micrograms of selenium, which can prevent heart related diseases by removing its deficiency in your body. Chicken- To get adequate amount of selenium, you can also include chicken in your diet. One bowl of this contains 22 micrograms of selenium. Many people like to eat eggs, so let us tell you that their consumption is considered very important to overcome the deficiency of selenium in the body. Talking about one egg, 15 micrograms of selenium is found in it. Spinach - Selenium is also found in good quantity in leafy green vegetables like spinach. 11 micrograms of selenium is found in 200 grams of spinach. In such a situation, by including all these things in your diet, you can maintain the healthy level of iodine in the body.

# When and where will be the live streaming of Oscar 2024 in India, note down the date and time

There have been nominations for the Oscar Awards, which are among the most prestigious awards in the world. Now waiting for the announcement of the winners. Oppenheimer has received the most nominations in the nomination category at the 96th Academy Awards. Know in this report when and where the Oscar Awards to be held in Los Angeles can be seen in India today. 'Oppenheimer' received the highest number of nominations for Oscar. When

and where can we watch it in India? Oscar Award will be presented in three rounds. The eyes of the whole world are fixed on the Oscar Award (Oscar 2024), one of the most prestigious awards in the world. Apart from the personalities nominated in it, fans also wait for the telecast of this show. This year's Academy Awards will be announced shortly from now. The 96th Academy Awards will be announced in America tonight. At the same time, when and where you can watch the live telecast of Oscar in India, let us tell you. Where will it be held? This year's Oscar Award-Oscar 2024 will be held at the Dolby Theater in California. This awards show will be held there on March 10, which will be hosted by Jimmy Kimmel. There will be a red carpet ceremony on March 10. After this the names of the winners will be announced. Apart from this, the names of the presenters will also be announced. When and where will you be able to watch Oscars in India? - After being held in California on March 10, you will be able to watch this show in India on Monday, March 11. The show will start at 4 am in India. It will be telecast live on OTT platform Disney Plus Hotstar. Oscar Awards will be presented in three rounds. Oscar Awards will be presented in three rounds. For this, the presenters have also been divided into three rounds. The first set includes Michelle Pfeiffer, Zendaya, Nicolas Cage, Al Pacino, Mahershala Ali, Brendan Fraser, Jamie Lee Curtis, Matthew McConaughey, Jessica Long, Lupita Nyong'o, Kay Hwi Kwan, Michelle Yeoh, and Sam Rockwell. At the same time, for the second set, the names of Chris Hemsworth, Dwayne Johnson, Regina King, Jennifer Lawrence, Rita Morino, John Mullally are included. Emily Blunt, Cynthia Ario, America Ferrara, Ryan Gosling, Ariana Grande, Ben Kingsley will be the presenters of the third round. 'Oppenheimer' received the most nominations - The nominations for this year's Oscars were announced on January 23. 'Oppenheimer' has received the maximum number of nominations. This film has been nominated in a total of 13 categories. Apart from this, many more films including 'Barbie', 'Poor Things', 'Killers of the Flower Moon' have been nominated. Apart from this, Indian-origin Canadian filmmaker Nisha Pahuja's 'To Kill a Tiger' has also been nominated.

# The magic of Heeramandi's heroines worked in the finale of Miss World 2024, they stole the show by walking the ramp on the song 'Sakal Ban'.

Sanjay Leela Bhansali's upcoming web series Heeramandi is in the news these days. The first song of the series Sakal Ban has been released recently. The heroines of Hiramandi are promoting the series vigorously. The heroines of the series promoted their song Sakal Ban on the stage of Miss World 2024 finale. During this, everyone walked the ramp in royal style.

Hiramandi shines in the finale of Miss World 2024 Heroines showed royal style on the stage of Miss World and stole the limelight by walking the ramp on the song Sakal Ban. Hiramandi is the much awaited series of the year 2024. It is directed by Sanjay Leela Bhansali. He is going to debut on OTT with the series. Recently, the first song of the series Sakal Ban has been released. Through this series, Sanjay Leela Bhansali will tell the story of Hiramandi, one of the famous places of Pakistan. Actresses like Sonakshi Sinha, Manisha Koirala, Richa Chadha, Aditi Hydari, Sharmin Sehgal and Sanjeeda Sheikh are playing important roles in it. Everyone is leaving no stone unturned in promoting the series. Hiramandi heroines showed their magic on the ramp - Yesterday, the first song of Hiramandi, Sakal Ban, was released, which is sung by Raja Hassan. There was also the Miss World 2024 finale on 9 March. In such a situation, the heroines of Hiramandi promoted their song on the stage of Miss World. Dressed in all royal clothes, she was seen doing a spectacular ramp walk on the song of Sakal Ban. Its video has also surfaced on social media. Shown in royal attire - In the clip, all the actresses including Sonakshi Sinha, Manisha Koirala and Richa Chadha can be seen in royal attire walking the ramp on the song Sakal Ban. All the actresses are looking very beautiful in Hiramandi look. While Manisha showed her style in yellow saree, the rest showed royal style wearing lehenga and sharara. Sharing this video, the makers wrote, "Beauty beyond limits! Walk with the gems of Heeramandi, the stars of Miss World 2024. Celebrate the arrival of spring on the global stage with sakal buns." When will Heeramandi release? Sanjay Leela Bhansali's web series Heeramandi will be released on OTT platform Netflix this year. The date has not been announced yet. Some time ago the teaser of the series was released, which was very much liked. The song is also garnering applause from the people. Now just waiting for the series.

# Documentary To Kill A Tiger released, Sambhavna Seth left 'Aam Aadmi Party'

To Kill A Tiger is nominated for Oscar 2024 this time. This documentary, directed by Nisha Pahuja, has now been released on OTT a few hours before the Oscars begin. Apart from this, Sambhavna Seth had joined Aam Aadmi Party in January last year. Now he has left this party. The actress has given this information by sharing a post on social media. The documentary

film nominated for the 96th Academy Everyone was waiting for its release. Now Sambhavna Seth had joined Aam Aadmi A Tiger released on OTT - The documentary the headlines for a long time. This Feature at the 96th Academy Awards. A few Since then everyone was eagerly waiting for 'Main Atal Hoon' will hit OTT on this day - experienced actors of Bollywood, was played the role of former Prime Minister Atal his performance in the film. However, the left the party - TV actress Sambhavna Seth Sambhavna Seth was given membership of Singh. Now after a year the actress left this post on social media. Told that she will no the stalwarts of Hollywood in the race to

Awards was in the headlines since the release of its trailer. this film has been streamed. Apart from this, TV actress Party in January last year. Now he has left this party. To Kill film 'To Kill a Tiger' directed by Nisha Pahuja has been in documentary film has been nominated for Best Documentary days ago its trailer was released, which was liked by everyone. its release. In such a situation, now this film has been released. Pankaj Tripathi starrer film 'Main Atal Hoon', one of the released in theaters in January this year. In this movie he Bihari Vajpayee. Critics praised the actor a lot after seeing film could not do much at the box office. Sambhavna Seth had joined the Aam Aadmi Party in January last year. the party by Aam Aadmi Party's Rajya Sabha MP Sanjay party. The actress has given this information by sharing a longer be a part of it. She is taking exit from this. These are become the 'Best Director' - Academy Awards is one of the most prestigious award ceremonies in the world, on which the eyes of the whole world are fixed. The 96th Academy Awards will be held on March 10 at the Dolby Theater in California. This time there is a competition among many excellent film directors to become the best director. Manisha Koirala was called a useless actress. Manisha Koirala is a famous actress of the cinema world, who has worked in films like Dil Se, Man, Akele Hum Akele Tum, Lajja, Indian, Has worked in many great films like Mehbooba. Soon she will be seen in the web series Heeramandi with Sanjay Leela Bhansali.